उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज 2024

www.bpsnews.in
(वर्ष-8 अंक-48)
पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 01 जनवरी, 2024

सभी नगरवासियों को बीपीएस न्यूज की ओर से नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

▶ तहसीलदार को जबरन इस्लाम कबूल कराया ▶ अयोध्या की तीर्थयात्रा पर निकली मुस्लिम महिलाएं ▶ इरफान सोलंकी का गुर्गा पुलिस के हाथ लगा

बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ सीएम योगी ने सुनी पीएम मोदी के मन की बात

लखनऊ बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात के 108वें संस्करण को सुना। ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एक होटल में मन की बात का सजीव प्रसारण किया गया। प्रधानमंत्री ने अपने मन की बात में 2023 की उपलब्धियों की चर्चा की। वहीं उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष में विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के स्टार्टअप्स की चर्चा करते हुए इसे लाइफस्टाइल हेल्थ इनोवेशन की दिशा में बड़ा कदम बताया। लाइफस्टाइल डिसीज पर विशेष रूप से चर्चा करते हुए पीएम ने फिट इंडिया मूवमेंट की भी चर्चा की। वहीं इंटरनेशनल इयर ऑफ मिलेट्स में लखनऊ के किरोज फूड्स, प्रयागराज के ग्रैंड माम्लेट्स और न्यूट्रास्युटिकल्स जैसे कई स्टार्टप्स की तारीफ भी की।

प्रधानमंत्री ने हाल ही में काशी तमिल संगमम के दौरान एआई तकनीक की मदद से हुए उनके रियल टाइम हिन्दी और तमिल संबोधन को भी क्रांतिकारी बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि काशी तमिल संगमम में हुए इस इनोवेशन से आने वाले समय में स्कूलों, अस्पतालों और न्यायालयों में बहुभाषीय संवाद कायम करने में बहुत मदद मिलेगी। उन्होंने 22 जनवरी 2024 को होने जा रहे रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले युवाओं से अपील की कि सोशल मीडिया को राममय किया जाना चाहिए। पीएम ने भगवान राम को समर्पित गीतों को इसका एक बेहतरीन जरिया बताते हुए अपील की कि #ShriRamBhajan टैग के जरिए प्रभु श्रीराम के भजनों को सोशल मीडिया पर शेयर किया जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देशवासियों से अपील, 22 जनवरी को घर पर जलाएं दीये, 23 के बाद करें राम के दर्शन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी हवाई अड्डे के अलावा नई ट्रेनों और एक संशोधित रेलवे स्टेशन सहित कई अन्य विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया, उन्होंने कहा कि भगवान राम के भक्तों को उन्हें परेशान करने के लिए कुछ भी नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया उत्सुकता के साथ 22 जनवरी के ऐतिहासिक क्षण का इंतजार कर रही है। ऐसे में अयोध्यावासियों में ये उत्साह और उमंग स्वाभाविक है। भारत की मिट्टी के कण-कण और भारत के जन-जन का मैं पुजारी हूं और मैं भी आपकी तरह उतना ही उत्सुक हूं।

इसके साथ ही पीएम मोदी ने देशवासियों से बड़ी अपील की। उन्होंने कहा कि ये ऐतिहासिक क्षण बहुत भाग्य से हम सभी के जीवन में आया है। हमें देश के लिए नव संकल्प लेना है, खुद को नई ऊर्जा से भरना है। इसके लिए आप सभी 140 करोड़ देशवासी 22 जनवरी को अपने घरों में श्रीराम ज्योति जलाएं, दीपावली मनाएं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मेरे सभी देशवासियों से मेरी एक करबद्ध प्रार्थना है ङ्क हर किसी की इच्छा है कि 22 जनवरी के आयोजन का हिस्सा बनने के लिए वो स्वयं अयोध्या आए। लेकिन आप जानते हैं कि हर किसी का आना संभव नहीं है। इसलिए सभी रामभक्तों से मेरा आग्रह है कि 22 जनवरी को एक बार विधिपूर्वक कार्यक्रम हो जाने के बाद, अपनी सुविधा के अनुसार वो अयोध्या आएं, अयोध्या आने का मन 22 जनवरी को न बनाएं।नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज मेरा एक आग्रह अयोध्या के भाई-बहनों से भी है- अब देश-दुनिया के लोग लगातार, हर रोज अयोध्या आते रहेंगे और ये सिलसिला अब अनंत काल तक चलेगा। इसलिए अब आपको भी एक संकल्प लेना है ङ्क ये संकल्प है अयोध्या नगर को भारत को सबसे स्वच्छ शहर बनाने का। स्वच्छ अयोध्या अब यहां के निवासियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि देश के सभी तीर्थ क्षेत्रों से और मंदिरों से मेरा आग्रह है कि ङ्क भव्य राम मंदिर के निर्माण के निमित्त, 14 जनवरी को मकर संक्रांति के दिन से पूरे देश के सभी तीर्थ स्थलों पर स्वच्छता का बहुत बड़ा अभियान चलाना है।

हर मंदिर में सफाई का अभियान हमें 14 जनवरी से 22 जनवरी तक चलाना है।

अयोध्या में राम मंदिर अभिषेक से पहले बोले फारूक अब्दुल्ला, राम केवल हिंदुओं के नहीं, पूरे विश्व के हैं

अयोध्या में राम मंदिर अभिषेक से पहले, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि भगवान राम केवल हिंदुओं के नहीं बल्कि दुनिया के सभी लोगों के हैं। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने भाईचारे, प्रेम और एकता की बात की और उन लोगों को ऊपर उठाने पर जोर दिया जो गिरे हुए थे और उन्होंने कभी उनके धर्म के बारे में नहीं पूछा। एनसी प्रमुख ने अगले महीने होने वाले प्रतिष्ठा समारोह के लिए भक्तों को बधाई दी और कहा कि वह मंदिर के लिए प्रयास करने वाले सभी लोगों को बधाई देना चाहते हैं।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि अयोध्या राम मंदिर का उद्घाटन होने वाला है। मैं उन सभी को बधाई देना चाहता हूं जिन्होंने मंदिर के लिए प्रयास किया। यह अब तैयार है। मैं सभी को बताना चाहता हूं कि भगवान राम केवल हिंदुओं के नहीं हैं, वे दुनिया के हर व्यक्ति के हैं। यह किताबों में लिखा है। इसके साथ ही अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने भाईचारा, प्यार और एकता की बात की है। उन्होंने हमेशा लोगों को जमीन से ऊपर उठाने पर जोर दिया और कभी उनका धर्मज्भाषा नहीं पूछा। उन्होंने एक सार्वभौमिक संदेश दियाज्अब जब यह मंदिर खुलने वाला है, तो मैं सभी से कहना चाहता हूं कि भाईचारा बनाए रखें।

उनकी टिप्पणी उस दिन आई जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी रेलवे परियोजनाओं, नवनिर्मित महर्षि वाल्मिकी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे अयोध्या धाम और अन्य विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन करने के लिए तैयार हैं। शहर में मेगा रोड शो करने के बाद प्रधानमंत्री एयरपोर्ट पहुंचें हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन और एक नए हवाई अड्डे का उद्घाटन करने के लिए अयोध्या पहुंचे तो देश भर से कलाकारों के विभिन्न समूहों ने उनका स्वागत किया।

नए वर्ष में राशन कार्ड धारकों के लिए सरकार का बड़ा तोहफा

कानपुर। नए वर्ष में सरकार द्वारा जनता के लिए बडा तोहफा दिया जा रहा है, जिसमें आम लोगों को श्रीअन्न योजना के अतंर्गत नि:शुल्क बाजरा दिया जायेगा। राशन कार्ड धारकों को बाजरा नए वर्ष के जनवरी माह से राशन की दुकानों से बाजरा नि:शुल्क प्राप्त होने लगेगा। इस प्रावधान के लिए जहां कोटेदारों को चालान भेज दिए गए है तो वहीं श्रीअन्न उपहार के रूप में जिले के 28लाख 46 हजार 970 लोगो को बाजरा मिलने लगेगा।बतादें की सरकार द्वारा लगातार श्रीअन्न को बढावा देने का प्रयास कर रही है और इसी के अतंर्गत अब नए वर्ष में राशन कार्ड धारकों को राशन की दुकानों से नि:शुल्क बाजरा दिया जायेगा।

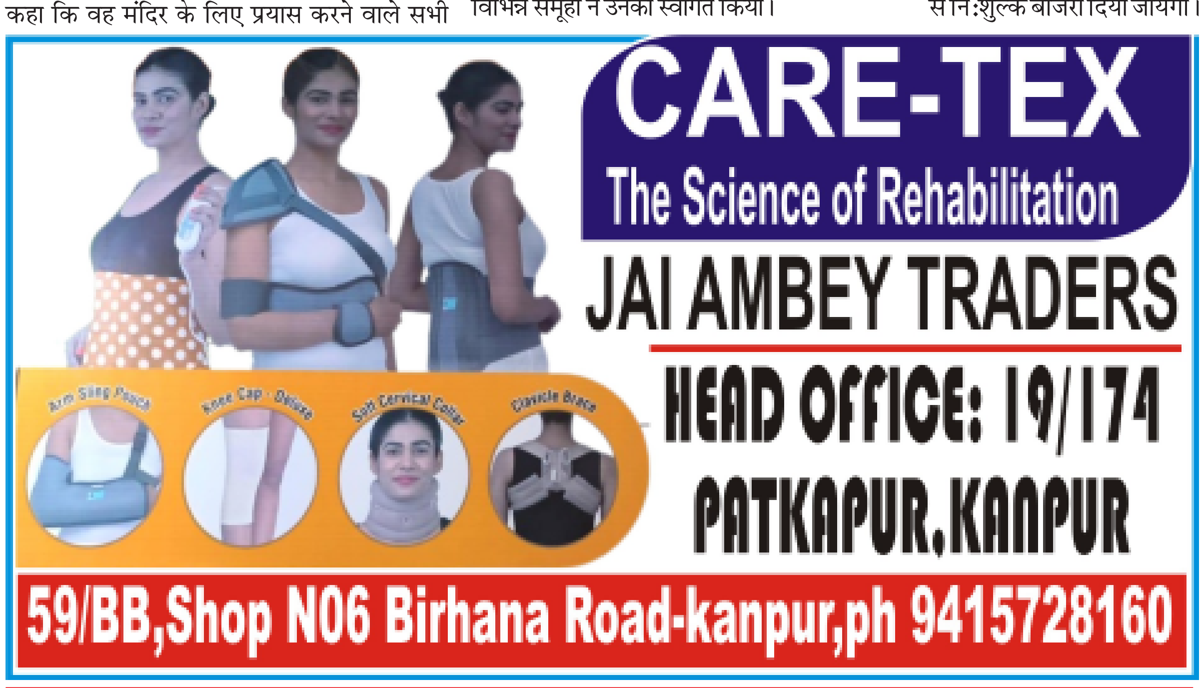

संपादकीय

परिवहन सुरक्षा

ऐसे वक्त में जब इस्राइल-हमास संघर्ष की तपिश समुद्री परिवहन को अपनी चपेट में लेने लगी है, भारतीय रक्षामंत्री का सख्त बयान आश्वस्त करने वाला है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने हिंद महासागर क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों को धमकी देने वालों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि भारतीय समुद्री जहाजों की सुरक्षा को चुनौती देने वालों को वह सबक सिखाएगा। निस्संदेह, यह इस दिशा में भारत सरकार की प्रतिबद्धता को ही उजागर करता है। दरअसल, भारत हिंद महासागर क्षेत्र में एक सुरक्षा प्रदाता की भूमिका का भी निर्वहन करता है। साथ ही भारत सुनिश्चित करेगा कि समुद्री व्यापार सुगम व सुरक्षित हो सके। वहीं लाल सागर में लगातार बढ़ते तनाव के अरब सागर तक पहुंचने की आशंका को देखते हुए भारत नौसेना हाई अलर्ट पर है। भारत ने अपने व्यापारिक जहाजों को हूती आतंकवादियों से उत्पन्न खतरे से बचाने के लिये चार युद्धपोतों को समुद्र में उतार दिया है। ये युद्धपोत अरब सागर के एक बड़े समुद्री इलाके की निगरानी करेंगे। इनकी निगरानी के दायरे में अदन की खाड़ी का वह क्षेत्र भी शामिल है, जहां से हूती आतंकवादी अंतर्राष्ट्रीय समुद्र नौवहन को चुनौती देते रहते हैं। इसके अलावा उन्नत एयरक्राफ्ट पहले से इलाके की निगरानी कर रहे हैं। ये हवाई जहाज उन्नत तकनीक व यंत्रों के जरिये समुद्री गतिविधियों की निगरानी करके सुरक्षा प्रदान करना सुनिश्चित करेंगे। दरअसल, ईरान समर्थित हूती लड़ाके लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों को ड्रोन व मिसाइलों से हमले का शिकार बना रहे हैं। उनकी दलील है कि गाजा पर बमबारी रोकने के लिए इस्राइल से जुड़े जहाजों को निशाना बनाया जा रहा है। बीते सप्ताह अरब सागर से मंगलुरु जाने वाले एमवी चेम प्लूटो और लाल सागर में सऊदी अरब से आ रहे क्रूड ऑयल कैरियर एमवी साईं बाबा पर हमले को भारत ने बड़ी गंभीरता से लिया है। निस्संदेह, गुजरात तट से दो सौ समुद्री मील दूर प्लूटो पर हुआ हमला भारतीय नौसेना के लिये एक चुनौती जैसा था। दरअसल, इस हमले के बाद सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिये नौसेना ने समुद्री सुरक्षा से जुड़ी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से तालमेल बनाना जरूरी समझा। भारत की इस प्रतिक्रिया में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग भी शामिल है क्योंकि भारत हिंद महासागर में सामान्य नौवहन सुनिश्चित करता है। दरअसल, जैसे-जैसे समुद्री सीमाओं पर चुनौतियां बढ़ रही हैं। भारत अपनी तैयारियों को तेज कर रहा है। हाल में उन्नत विध्वंसक मिसाइलों से लैस आईएनएस इम्फाल का जलावतरण इसी कड़ी का विस्तार है। यह भी नौसेना द्वारा विकसित व डिजाइन किये गए युद्धपोतों में शुमार है। वहीं अरब सागर में उतारे गये चार युद्धपोत अदन की खाड़ी में निगरानी करेंगे ताकि अंतर्राष्ट्रीय समुद्री परिवहन सुचारु रूप से संचालित हो सके। भारत का यह कदम जहां अपने हितों की रक्षा करने का है, वहीं क्षेत्र में एक बड़ा राष्ट्र होने के नाते उसे अंतर्राष्ट्रीय जिम्मेदारियों का भी निर्वहन करना है। लेकिन इसके साथ ही भारत लाल सागर में अमेरिकी नेतृत्व में तैनात उन युद्धपोतों के समूह से अलग है जो लाल सागर में इस्राइली हितों के संरक्षण के लिये जमा हैं।

नारी को शक्ति और संरक्षण की गारंटी का साल

महिला सशक्तीकरण का सफल अध्याय तब तक लिखा जाना संभव नहीं जब तक कि महिलाएं निर्णय लेने की क्षमता प्राप्त नहीं करतीं। निर्णय लेने की क्षमता का सबसे सशक्त आधार 'राजनीतिक सत्ता' है क्योंकि यह नेतृत्व क्षमता प्रदान करती है। 2023 में महिला सशक्तीकरण का बिगुल तब बजा जब सितंबर माह में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' का उद्घोष हुआ। संसद में केंद्र सरकार ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने की घोषणा की। वर्ष 2023 का यह निर्णय भविष्य की तस्वीर बदल देगा।

एक और साल बीतने को है। नववर्ष का आगमन, पुरातन का आकलन, उत्साह, खुशी, ऊर्जा, सफलता, असफलता, निराशा, अपमान, हताशा और अंत में 'आशा' इन्हीं शब्दों का पिटारा ही तो है वर्ष 2023ज। तीव्र गति से बढ़ती आर्थिक विकास की गति भारत का एक गौरवशाली इतिहास लिखने को तत्पर है। इस जाते हुए वर्ष में बहुत कुछ मंथन करने को है, उलझन इस बात की है कि आरंभ कहां से हो? चर्चा खुशियों की हों या जिक्र हताशा का भी हो, यह तय है कि हर पराजय जीत के सबक देकर जाती है, बशर्ते हमारी मंशा देश हित की हो। इसमें किंचित भी संदेह नहीं कि बात जब देश की 'सक्षमता' की हो तो आधी-आबादी का जिक्र न उठे क्योंकि उनकी 'सक्षमता' देश को सक्षम बनाती है, उनका 'आर्थिक स्वावलंबन' देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करता है, उनकी 'अस्मिता' की रक्षा देश के आत्मसम्मान का संरक्षण करती है।विचारणीय यह है कि 2023 अपनी यादों में देश की आधी-आबादी के लिए क्या छोड़कर जा रहा है? इस वर्ष का आरंभ ही महिला सक्षमता की एक नवीन पटकथा के लेखन से हुआ, जब जनवरी माह में सेनाध्यक्ष ने सेना की आर्टिलरी रेजिमेंट में महिलाओं को शामिल करने का ऐलान किया जिसे सरकार ने मार्च माह में स्वीकृति दी। वर्ष?2023 इस रूप में भी अपनी छाप छोड़ गया कि 'फायर एंड फ्यूरी सैपर्स' की कैप्टन शिवा चौहान को दुनिया के सबसे ऊंचे युद्ध क्षेत्र सियाचिन के 'कुमार-पोस्ट' पर तैनात किया गया। महिला अग्निवीरों ने फौज में सम्मिलित होकर यह सिद्ध कर दिया कि अगर उन्हें मौका मिले तो महिला सशक्तता की नित्य नवीन इबारत वह लिख सकती हैं।नवंबर आते-आते सेना में महिलाओं की बढ़ती भूमिका का एक और उदाहरण उस समय देखने को मिला जब सशस्त्र सेना ट्रांसफ्यूजन सेंटर की कमान पहली बार महिला अधिकारी को सौंपी गई। 2023 का अंतिम माह लैंगिक समावेशिता की अनूठी छाप तब छोड़ गया जब भारतीय सेना ने नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में 4 से 8 दिसंबर तक दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन की महिला अधिकारियों के लिए एक टेबल-टॉप एक्सरसाइज का आयोजन किया। यह अभ्यास प्रतिभागियों के लिए वास्तविक दुनिया की चुनौतियों को प्रतिबिंबित करते हुए जटिल शांति स्थापना परिदृश्यों पर प्रतिक्रियाओं का अनुकरण और रणनीति बनाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। आधी-आबादी की सशक्तता के पदचाप उस समय सुनाई दिए जब पूर्वोत्तर भारतीय राज्य नागालैंड से निर्वाचित महिला सांसद एस फांगनोन कोन्याक को सदन की कार्यवाही के संचालन का अवसर मिला। संसद के मानसून सत्र से पहले बनाए गए आठ सदस्यीय पैनल में चार महिलाओं को शामिल किया गया। राज्यसभा के इतिहास में पहली बार उपाध्यक्षों के इस पैनल में महिला सदस्यों को समान संख्या में प्रतिनिधित्व मिला।महिला सशक्तीकरण का सफल अध्याय तब तक लिखा जाना संभव नहीं जब तक कि महिलाएं निर्णय लेने की क्षमता प्राप्त नहीं करतीं। निर्णय लेने की क्षमता का सबसे सशक्त आधार 'राजनीतिक सत्ता' है क्योंकि यह नेतृत्व क्षमता प्रदान करती है। 2023 में महिला सशक्तीकरण का बिगुल तब बजा जब सितंबर माह में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' का उद्घोष हुआ। संसद में केंद्र सरकार ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने की घोषणा की। वर्ष 2023 का यह निर्णय भविष्य की तस्वीर बदल देगा। वर्तमान में लोकसभा के कुल 543 सदस्य हैं। वर्तमान में मौजूद सदन में महिलाएं 82 हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रभावी होने के बाद 181 महिला सांसद होगी। यह अंतर आंकड़ों भर का नहीं होगा अपितु यह अंतर एक सशक्त देश की तस्वीर उकेरेगा।महिलाओं के लिए दीर्घकालिक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास के उद्देश्य से की गई नीतिगत पहलुओं से महिला सशक्तीकरण सुनिश्चित करने के प्रयास तब फलीभूत होते प्रतीत होते हैं जब सांख्यिकीय एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की अक्तूबर माह में जारी आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण रिपोर्ट बताती है कि देश में महिला श्रमबल भागीदारी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए कई पहल की गई।यह वर्ष विश्व मानचित्र में कभी न मिटने वाली कहानी चंद्रयान-3 जब लिख रहा था तब कई महिला वैज्ञानिक उस कथा की रचना में अपना अभूतपूर्व सहयोग दे रही थीं। हर वह क्षेत्र जहां महिलाओं के अस्तित्व को नकारा गया 2023 यह सिद्ध करता चला गया कि महिला सशक्तता किसी भी बाधा को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। मार्च, 2023 में डायरेक्टरेट जनरल ऑफ़ सिविल एविएशन की रिपोर्ट बताती है कि भारतीय महिलाएं आसमान में भी सुराख कर रही हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारत में 15 प्रतिशत महिला पायलट हैं जो कि वैश्विक औसत से पांच प्रतिशत का तीन गुना है। खेल की दुनिया विशेष कर क्रिकेट को 'जेंटलमैन गेम' मानने की परंपरा को महिलाओं ने भेद दिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई गेम्स 2023 में इतिहास रचा, हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में टीम ने गोल्ड मेडल जीता।

पुराने वर्ष को राम राम, नए वर्ष को जय श्री राम

विष्णु लोक में तनाव का माहौल था,पता चला कि नए आंग्ल वर्ष 2024 में प्रभु श्री राम के मंदिर का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रभु की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रहीं अर्थात पीएम मोदी अपने कार्यकाल में ही राम को लखन और सिया सहित मंदिर में विराजमान करेंगे और समारोह भव्य होगा पर रामद्रोहियों को सबसे पहले बुलावा जायेगा । महानतम पत्रकार नारद जी रात भर सोए नहीं है,कल शाम से ही दिमाग़ का कोई सवाल हल करने में लगे हैं जो हो नहीं रहा, इसी चक्कर में न खाए न सोए,यह बात स्वर्ग प्रभारी से होते हुए विष्णु लोक तक पहुँची, स्वर्ग प्रभारी सब प्रोटोकॉल छोड़ अपने चेले चप्पड़ों के साथ भागे-भागे विष्णु जी के शेष सैय्या कक्ष में पहुंचे,देखा कमरे की पूरी फर्श गोंजे हुए कागजों से भरी पड़ी है, नारद जी जल्दी-जल्दी कुछ लिखकर फिर फाड़/मोड़ के फेंक रहे, क्या हुआ नारद जी क्यों परेशान हैं स्वर्ग प्रभारी ने पूछा, यार एक सवाल ने उलझा रखा है,हर बार उलझ जाता हूँ इस सवाल में,आजतक नहीं हल कर पाया इसे,अरे ऐसा कौन सा सवाल है जिसे आप नहीं हल कर सकते? जवाब में नारद जी ने अखबार उनके सामने रख दिया जिसमें छपा थाज.卐 कर्ज लेकर और घर बार बेचकर राम मंदिर हेतु एक करोड़ दान दिया 卐यार इसी खबर में परेशान कर रखा है मुझे, उधर विलुप्त हुए गिद्धराज जटायु के वंशज भी अयोध्या पहुंचे। अयोध्या के मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र धरौली गांव पहुंचे विलुप्त प्रजाति के गिद्ध। ग्रामीणों में उत्साह बोले- राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले प्रभु राम के भक्त पहुंचने लगे ।आश्चर्य की बात है की राम मंदिर अभी तक पूरी तरह नहीं बन पाया है और इतना सब !स्वर्ग प्रभारी बोले यह सब बीते वर्ष के राम राम और नए वर्ष पर जय श्री राम का प्रभाव है ।तो नारद जी बोले इसे पुरी तरह तैयार होने में अभी भी 2 साल लगेगा ऐसे में मंदिर के उद्घाटन को प्रधान मंत्री मोदी के द्वारा 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा करना क्या हिंदू धर्म के अनुसार सही है? क्या

पंकज कुमार मिश्रा, मिडिया विश्लेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

महानतम पत्रकार नारद जी रात भर सोए नहीं है,कल शाम से ही दिमाग़ का कोई सवाल हल करने में लगे हैं जो हो नहीं रहा, इसी चक्कर में न खाए न सोए,यह बात स्वर्ग प्रभारी से होते हुए विष्णु लोक तक पहुँची, स्वर्ग प्रभारी सब प्रोटोकॉल छोड़ अपने चेले चप्पड़ों के साथ भागे-भागे विष्णु जी के शेष सैय्या कक्ष में पहुंचे,देखा कमरे की पूरी फर्श गोंजे हुए कागजों से भरी पड़ी है।

यह कार्यक्रम बीजेपी के चुनावी राजनीति से प्रेरित नहीं है ? इस भव्य मंदिर को बनाने में पूरे भारत के लोगों के अलावा पूरे विश्व में फैले हिंदू और सनातन धर्म को मानने वालों ने दिल खोल कर चंदा मंदिर निर्माण ट्रस्ट को दिया है !राम मंदिर में भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा में सिर्फ 22 दिन बचे हैं। इसके उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए कई बड़े राजनीतिक दलों के नेताओं, सेलिब्रिटीज, खिलाड़ियों, संतो को न्योता भेजा गया है,लेकिन ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और अखिलेश यादव को निमंत्रण नहीं मिला है।ऐसे में उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा की तारीख पर सवाल उठाए हैं ।शंकराचार्य का कहना है कि राम मंदिर का अभी काफी निर्माण कार्य अधूरे हैं जिनको पूरा करने में करीब 2 वर्ष लगेगा ऐसे में मंदिर में भगवान राम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा नहीं होना चाहिए क्योंकि ऐसा करना सनातन संस्कृति और धर्म का उलंघन करना होगा। उन्होंने आगे कहा है कि प्राण परतिष्ठा रामनवमी के दिन होना चाहिए ।मोदी का राम मंदिर बनवाने पर राजनीति कर रहे हैं ।उनका कोई योगदान नहीं है जिन्होंने आंदोलन किए वे सभी दरकिनार कर दिए गए हैं।

आप मानें न मानें पर यह तो सत्य ही है कि सनातन धर्म केवल एक मान्यता पर चलने वाले लोगों का समूह नहीं। यह एक विराट संस्कृति है, यहाँ एक साथ असंख्य आध्यात्मिक धाराएं बहती हैं। इसी देश में उत्तर दक्षिण से भिन्न है, पूरब पश्चिम से भिन्न है। एक जाति होते हुए भी मैथिल ब्राह्मणों का जीवन अलग है और हिमाचल वालों का अलग। बावजूद सभी हिन्दू हैं, और कोई किसी से आगे या पीछे नहीं है ।गाँव बदलते ही रीतियाँ बदल जाती हैं, परंपराएं बदल जाती हैं। ऐसे में दूसरी धारा की वे परंपराएं जिन्हें आप नहीं मानते, उनका भी सम्मान करना होता है। अपने आस पड़ोस से ही एक छोटा सा उदाहरण दे रहा हूँ। सामान्यत: मृतक का दाह संस्कार चिता पर लिटा कर किया जाता है। पर अनेक गांवों में एक अजीब परम्परा देखने को मिलती है। मृतक के शरीर को लगभग तोड़ते हुए ऐसा कर दिया जाता है जैसे वह बैठा हो। फिर उसे बीच मे रख कर उसके चारों ओर गोबर का कंडा(गोंयठा या उपला) खड़ा कर उसे जलाया जाता है। यह आपको अजीब लगेगा, पर इस परम्परा के जन्म के पीछे भी कोई न कोई आवश्यक कारण अवश्य ही रहा होगा। लकड़ी की अनुपलब्धता ही सही। तो क्या ऐसी विविधता होने पर एक दूसरे की परम्पराओं को गाली देते हुए उन्हें खारिज किया जाय? नहीं! यदि आप ऐसा करते हैं, तो यकीन कीजिये आप सनातन परम्परा से भटक चुके हैं ।हिंदुओं में प्राचीन शाक्त, शैव और वैष्णव मत के अतिरिक्त भी जाने कितने सम्प्रदाय रहे हैं ।जय महादेव और जय गुरुदेव जैसे कुछ तो बिल्कुल ही नए बने हैं। इन सबको मानने वालों की बड़ी संख्या है। फिर भी, हिंदुओं का लगभग अस्सी फीसदी हिस्सा किसी भी सम्प्रदाय की विधिवत दीक्षा में नहीं है। वह हर मन्दिर में शीश झुका लेता है, हर देवता को पूज लेता है।

भोजपुरी फिल्म 'कृष्णा' की शूटिंग गोरखपुर में शुरू

टेक्नीशियन फिल्म फैक्ट्री क्रिएशंस के बैनर तले बनाई जा रही पराग पाटिल और आर आर प्रिंस की नवीनतम भोजपुरी फिल्म 'कृष्णा' की शूटिंग गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) के खूबसूरत लोकेशन में शुरू हो गयी है ।निर्माता पराग पाटील और आर आर प्रिंस इसके पूर्व भी भोजपुरी फिल्मों के स्टार खेसारी लाल यादव को लेकर 'गॉडफादर' व 'राजाराम' का निर्माण कर चुके हैं।

भोजपुरी फिल्म 'कृष्णा' में प्रीति सिंह, अवधेश मिश्रा व संजय पाण्डेय की मुख्य भूमिका है। संगीतकार साजन मिश्रा के कर्णप्रिय संगीत से सजी इस भोजपुरी फिल्म के लेखक प्राणनाथ, डीओपी सूरज यादव और डांस डायरेक्टर कानू मुखर्जी हैं। इस फिल्म के अन्य कलाकार विमल पांडेय, विनोद मिश्रा, बीना पांडेय, संजीव मिश्रा और निशा तिवारी आदि हैं।

प्रस्तुति: काली दास पाण्डेय

दिव्यांगजनों की चुनौतियों का समाधान करने कार्यवाही उन्मुख

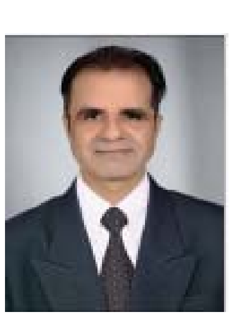

- वैश्विक स्तर पर दिव्यांगजनों को विकलांगता शब्द के रूप में जाना जाता है। अधिकांश विकसित देशों में विकलांगता को मानव जीवन का हिस्सा माना जाता है। ऐसे समाज में ऐसी व्यवस्थाएँ की जाती हैं कि एक विकलांग व्यक्ति भी रोजमर्रा की हर गतिविधि में हिस्सा ले सके। इन जगहों पर अमूमन लोग यह मानते हैं कि स्थाई या अस्थाई रूप से हर व्यक्ति अपने जीवन में विकलांगता को कभी-न-कभी महसूस करता है। यही कारण है कि यहाँ विकलांगता को एक सामान्य प्राकृतिक घटना की तरह देखा जाता है। गैर-विकसित और कम पढ़े-लिखे समाज में विकलांगता को विकलांग व्यक्ति की निजी समस्या के रूप में देखा जाता है। विकलांगता को अक्सर पूर्व जन्म के बुरे कर्मों से भी जोड़ दिया जाता है।

ऐसे समाज में आधारभूत संरचनाओं को विकलांग लोगों के लिए सुगम्य बनाने पर कोई ख़ास ध्यान नहीं दिया जाता। ऐसी जगहों पर विकलांगजन के पास कोई विशेषाधिकार भी नहीं होते ।इस प्रकार हम कह सकते हैं कि विकलांगता एक सापेक्ष शब्द है- जिसका अर्थ अलग-अलग व्यक्तियों के लिए अलग हो सकता है ।परंतु भारत में इनका नाम दिव्यांग रूपी सम्मानजनक भाव वाले नजर से रखा गया है ।सामाजिक न्याय एवं नि:शक्तजन कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के अंतर्गत जागरूकता के लिए 21 प्रकार की दिव्यांगताओं को शामिल किया गया है। अधिनियम में पूर्व में प्रचलित 7 प्रकार की दिव्यांगताओं के स्थान पर अब 21 प्रकार की दिव्यांगताएं शामिल की गई है। अधिनियम के अंतर्गत दिव्यांगता के 21 प्रकार एवं उनके लक्षण जैसे चलन दिव्यांगता, बौनापन, मांसपेशी दुर्विकास, तेजाब हमला पीड़ित, दृष्टि बाधित, अल्पदृष्टि, श्रवण बाधित, कम, ऊंचा सुनना, बोलने एवं भाषा की दिव्यांगता, कुष्ठ रोग से मुक्त, प्रमस्तिष्क घात, बहु दिव्यांगता, बौद्धिक दिव्यांगता, सीखने की दिव्यांगता, स्वलीनता, मानसिक रूगणता, बहु स्केलेरोसिस, पार्किसंस, हेमोफीलिया, थेलेसीमिया, सिक्कल कोशिका रोग शामिल है।

वैसे तो भारत में दिव्यांगजनों के सम्मान हेतु अनेक योजनाएं बनाई गई है जो केंद्र राज्य से लेकर जिला स्तर पर कार्यालय है भारतीय निर्वाचन आयोग ने भी अनेक स्तरों पर सुविधा दिव्यांगजनों को प्रदान की है। परंतु चूंकि दिनांक 28 दिसंबर 2023 को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री के नेतृत्व में दिव्यांगता पर केंद्रीय सलाहकार बोर्ड के छठे बैठक में अनेक योजनाओं कार्यों पर मंथन किया गया है इसलिए आज हम मीडिया पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे दिव्यांगजनों की चुनौतियों का समाधान करने कार्यवाही उन्मुख समयबद्ध समाधान करना समय की मांग हैं ।साथियों बात अगर हम दिनांक 28 दिसंबर 2023 को देर शाम समाप्त हुई दिव्यांगता पर छठवीं केंद्रीय सलाहकार समिति की बैठक की करें तो, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री के सक्रिय नेतृत्व में दि०?यांगता पर केंद्रीय सलाहकार बोर्ड की छठी बैठक डीएआईसी, नई दिल्ली में आयोजित की गई। बैठक में ओडिशा, यूपी, गोवा, तमिलनाडु के प्रतिष्ठित मंत्रियों के साथ-साथ राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों और विभिन्न संगठनों के प्रमुख प्रतिनिधियों ने भाग लिया, बैठक में दि०?यांगता क्षेत्र के केन्द्रीय मुद्दों को संबोधित किया गया, जिससे परिवर्तनकारी प्रगति के एक नए युग की शुरुआत हुई, विचार विमर्श में महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई, जिसमें दि०?यांग व्यक्तियों के अधिकार (आरपीडब्ल्यूडी) अधिनियम, 2016 के कार्यान्वयन की स्थिति, सुगम्य भारत अभियान, विशिष्ट दि०?यांगता पहचान पत्रपरियोजना और दि०?यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के सशक्तिकरण के लिए डीईपीडब्ल्यूडी द्वारा अभिनव पहल शामिल हैं। चर्चा में राज्य प्रतिष्ठानों में उपयुक्त पदों की पहचान, उच्च समर्थन आवश्यकताओं वाले दिव्यांगजनों के लिए योजनाएं और प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में पर्पल फेस्ट जैसे त्योहारों का आयोजन भी शामिल था। मंत्री जी सशक्त मार्गदर्शन में, बोर्ड ने सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों से आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम को तेजी से लागू करने, राज्य नियमों को अधिसूचित करने और राज्य सलाहकार बोर्ड और जिला स्तरीय समितियों की स्थापना करने का आह्वान किया। जिला-स्तरीय न्यायालयों को नामित करने और दिव्यांगजनों के लिए स्वतंत्र आयुक्तों की नियुक्ति की अनिवार्यता का प्रभावशाली समर्थन किया गयाडीईपीडब्ल्यूडी सचिव ने इस बात पर बल दिया कि दिव्यांगजनों का सशक्तिकरण एक सामूहिक जिम्मेदारी है, उन्होंने केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर सभी मंत्रालयों/विभागों के बीच सहयोग का आग्रह किया। उन्होंने कई गुणा प्रभाव के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने की वकालत की और दिव्यांगजनों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए कार्रवाई उन्मुख, समयबद्ध समाधान की आवश्यकता पर बल दिया। बोर्ड के सदस्यों ने दिव्यांगों का एक व्यापक डेटाबेस बनाने से लेकर दिव्यांगों के लिए एक समर्पित टीवी चैनल की स्थापना के प्रस्ताव तक बहुमूल्य सुझाव दिए। दिव्यांगजनों को केवल लाभ प्राप्तकर्ता के बजाय करदाता बनने में सक्षम बनाने की दृष्टि को प्रमुखता मिली ।इन विचार-विमर्शों के माध्यम से दिव्यांगों को सशक्त बनाने की केंद्रीय सलाहकार बोर्ड की दृढ़ प्रतिबद्धता एक अधिक समावेशी और न्यायसंगत समाज को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

किशन सनमुखदास भावनानी

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - सम्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें -:

मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

पुलिस की मेहनत रंग लाई, हत्या का आरोपी धरा गया

आरोपी ने बताया नशे की हालत में मृतक ने उसके साथ किया था कुकर्म

बीपीएस न्यूज

कानपुर । कुछ दिन पहले जरौली फेस वन के नाले के किनारे एक युवक की लाश पड़ी मिली थी, जिसकी डंडा मारकर हत्या की गयी थी। पुलिस द्वारा आरोपी की तलाश जारी थी।

गुरूवार देर रात पुलिस को आरोपी को पकड़ने में सफलता प्राप्त हुई। सीसीटीवी फुटेज की जांच के दौरान मृतक को आरोपी के साथ देखा गया था।कुछ समय पहले जरौली फेसवन के नाले के पास एक युवक का शव पड़ा मिला था। पुलिस द्वारा लगातार आरोपी की तलाश की जा रही थी। जांच के दौरान पुलिस को घटना स्थल के कुछ दूरी पर स्थित देशी शराब के ठेके के पास लगे सीसी टीवी फुटेज देखने पर मृतक युवक के साथ एक और व्यक्ति दिखाई दिया और पुलिस ने यहीं से अपनी जांच तेज कर दी। बताया जाता है कि 12 दिसम्बर को गजनेर के सेरूआ गांव निवासी सुनील की हत्या हुई थी। मौके से बांस का डंडा तथा शराब के पाउच के साथ एक मफलर मिला था।

पुलिस द्वारा आरोपी बलरामपुर निवासी महेश वर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है। महेश शहर में मजदूरी करता था और यही रहता था। महेश ने बताया कि उसकी मुलाकात सुनील से हुई थी। कुछ दिनों बाद सुनील ने उसे खाड़ेपुर स्थित अपने किराए के मकान पर बुलाया और वहां दोनो ने पहले शराब पी, जिसके बाद नशे में धुत होने के बाद सुनील ने उसके साथ दुष्कर्म किया और तभी से वह सुनील की हत्या करने की योजना बनानी शुरू कर दी थी।

उसने बताया कि 12 दिसम्बर को उसकी मुलाकात फिर सुनील से हुई और दोनो ने जरौली शराब ठेके में शराब पी, उसके बाद वह सडक किनारे नाले के पास लेटे थे, जहां सुनील ने रात में उसके साथ फिर दुष्कर्म करने का प्रयास किया और उसने आक्रोश में आकर सुनील के सिर पर डंडे से कई वार कर उसकी हत्या कर दी।

इरफान सोलंकी का गुर्गा शकील चिकना पुलिस के चढ़ा हत्थे

बीपीएस न्यूज

कानपुर। आगजनी के मामले में गिरफ्तार चल रहे सपा विधायक इरफान सोलंकी के गुर्गे शकील चिकना को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह मामले में अभी तक फरार चल रहा था। शकील बेकनगंज के हीरामन का पुरवा का रहने वाला था और सपा विधायक तथा उनके भाई का खास आदमी माना जाता था। शकील की तलाश पुलिस को काफी समय से थी। आगजनी के मामले में मामला दर्ज होने के बाद सपा विधायक इरफान सोलंकी को उनके भाई रिजवान सहित गिरफ्तार कर लिया गया था। लगातार कोर्ट में इरफान व रिजवान पेश हो रहे है। वहीं उनका खास गुर्गा माने जाने वाला शकील चिकना अभी तक फरार चल रहा था जो बेकनगंज के हीममन का पुरवा का रहने वाला था, उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को शकील की काफी दिनों से तलाश दी और उसकी तलाश में पुलिस लगातार कई जगह दबिश दे रही थी। बताया जाता है कि इधर इरफान के भाई रिजवान जिसपर हत्या का प्रयास, बलवा, तोडफोड, आगजनी, रंगदारी व जमीन कब्जाने के कई मामले दर्ज है तो वहीं एक सेवानिवृत सिपाह के प्लाट के कब्जे को लेकर भी कई मामले दर्ज है साथ ही डीएम कोर्ट से उसका राइफल लाइसेंस भी निरस्त कर दिया गया है। वहींथाना प्रभारी अरविन्द सिंह सिसोदिया ने बताया कि शकील चिकता ने ही विधायक तथा उसके भाई रिजवान के कहने पर महिला के प्लॉट में आग लगाई थी और मामला दर्ज होने के बाद यह फरार चल रहा था, जिसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

वैज्ञानिक प्राकृतिक एवं जैविक खेती हेतु चलाएं विशेष अभियान: कुलपति

बीपीएस न्यूज

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने राष्ट्रीय संगोष्ठी में कृषि वैज्ञानिकों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती हेतु विशेष तौर पर प्रेरित किया। वे आज टिकाऊ कृषि हेतु प्राकृतिक एवं जैविक खेती विषयक एक दिवसीय डॉक्टर कीर्ति सिंह स्मारक व्याख्यान एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ में व्याख्यान दे रहे थे। डॉ सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि प्राकृतिक एवं जैविक खेती से स्वास्थ्यवर्धक एवं गुणवत्ता परक खाद्यान्न प्राप्त होता है। साथ ही साथ पर्यावरण एवं मृदा स्वास्थ्य भी स्वस्थ रहता है। उन्होंने वैज्ञानिकों का आवाहन करते हुए कहा कि किसानों को परंपरागत पद्धति से खेती पर प्रशिक्षण न दें बल्कि खेती की उन्नत तकनीक को सिखा कर इसे लाभ का व्यवसाय बनवाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मिट्टी काफी उर्वर है जिसमें खाद्यान्न एवं उद्यानिकी सभी प्रकार की फसलें ली जा रही हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों को उद्यानिकी एवं मसाला फसलों जैसी अधिक आय परक फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ आर के सिंह ने की। जबकि मुख्य अतिथि के तौर पर बी एच यू बनारस के पूर्व कुलपति एवं आईसीएआर के पूर्व महानिदेशक डॉक्टर पंजाब सिंह तथा आईसीएआर के उप महानिदेशक (प्रसार) डा . यू एस गौतम बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। बाद में कार्यक्रम में तकनीकी सत्र प्रारंभ हुआ। जिसमें देश के विभिन्न संस्थाओं से आए वैज्ञानिकों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये।कार्यक्रम का संचालन वैज्ञानिक डॉक्टर स्वाती ने किया।

गंगा टास्क फोर्स ने चलाया निर्मल गंगा जागरूकता अभियान

बीपीएस न्यूज

कानपुर । भारतीय सेना की 137 सी ई टी एफ टी ए बटालियन 39 गोरखा राइफल गंगा टास्क फोर्स ने कैंटोनमेंट बोर्ड जूनियर हाई स्कूल, लाल कुर्ती कानपुर कैंट मे चलाया निर्मल गंगा जागरूकता अभियान चलाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रधानाध्यापक अतुल कुमार शुक्ला, स्कूल स्टाफ एवं छात्र उपस्थित रहे।गंगा टास्क फोर्स के कमान अधिकारी कर्नल अरविंद प्रसाद एस और कानपुर स्थित कंपनी कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल अनूप कुमार ओझा के दिशा निर्देश पर विगत 5 सालों से गंगा स्वच्छता अभियान,पौधा रोपण, घाटों की गश्त, जागरूकता अभियान निरंतर कर रही है। इस अवसर पर गंगा टास्क फोर्स के सूबेदार समरजीत सिंह ने छात्रों को गंगा स्वच्छता निर्मल गंगा के बारे में जागरूक कियाऔर बताया कि गंगा नदी नहीं जीवनदायिनी है यदि हम इसकी रक्षा करेंगे तो मानव जाति की रक्षा स्वत- हो जाएगी तथा साथ ही छात्रों को स्वयं स्वच्छ रहने और गंगा को निर्मल व स्वच्छ रखने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में गंगा टास्क फोर्स के जवानों ने स्कूल के छात्र-छात्राओं के साथ मिलकर पौधारोपण किया और छात्रों को पौधे वितरित किए।

विवि में एम. सी. ए. के छात्र-छात्राओं को मिले टैबलेट

बीपीएस न्यूज

कानपुर। शुक्रवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से उ. प्र. में अध्ययनरत युवाओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना (स्मार्ट फोन एवं टैबलेट वितरण) के अंतर्गत कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में स्कूल ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डिपार्टमेंट ऑफ़ कंप्यूटर एप्लीकेशन में एमसीए के विद्यार्थियों को टैबलेट बाँटे गये। इसमें एमसीए के 52 छात्र-छात्राओं को विवि के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार यादव, संस्थान की निदेशक डॉ. बृष्टि मित्रा एवं विभागाध्यक्ष प्रो. रॉबिन्स पोरवाल ने टैबलेट बांटे। इस मौके पर कार्यक्रम कोऑर्डिनेटर डॉ. रितेश अग्रवाल, रविकांत मिश्रा, शिवकुमार, आलोक सिंह, शीतल एवं संजय आदि मौजूद रहे।

गरीब जन कल्याण फाउंडेशन के द्वारा वितरित किए गए गर्म कपड़े

बीपीएस न्यूज

कानपुर । गरीब जन कल्याण फाउंडेशन के द्वारा बर्रा स्थित आई ब्लॉक एवं डी ब्लॉक मलिन बस्तियों में गर्म कपड़े साड़ियां मफलर स्वेटर इत्यादि वितरित किए गए। संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित राजनाथ पांडे ने बताया कि विगत कई वर्षों से समाज के उत्थान की दिशा में गरीब जन कल्याण फाउंडेशन निरंतर कार्य कर रही है इसी कड़ी में नगर की विभिन्न बस्तियों में रहने वाले लोगों को गर्म कपड़े वितरित वितरित किए गए। महामंत्री सरिता सिंह चन्देल ने अपने संबोधन में बच्चों को बताया कि आप ही देश का भविष्य हैं देश आपके ही हाथों में सुरक्षित है इसलिए मन लगाकर पढ़ाई करें और देश की उन्नति की दिशा में कार्य करें कोषाध्यक्ष अमित सिंह ने नन्हे नौनिहालों को गर्म कपडे देते हुए भारत के वीर सपूतों एवं अब्दुल कलाम के जीवन एवं उनके संघर्षों के बारे में बताते हुए कहा कि कैसी विपरीत स्थितियों में भी इन्होंने पढ़ाई कर देश का नाम रोशन किया आपको भी इसी तरह देश का नाम सर्वोच्च स्थान पर लाना होगा नन्हे छात्राओं को जैसे ही गर्म कपड़े एवं खाद्य सामग्री मिली बच्चे खुशी से झूम उठे। संस्थापक अध्यक्ष राजनाथ पांडे ने बताया कि फाउंडेशन के द्वारा निरंतर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिससे निर्धन निर्बल समाज का उत्थान हो सके। इस मौके पर मुख्य रूप से महामंत्री सरिता सिंह चन्देल अमित सिंह सकेता साहू निर्मला गौड़ रचना देवी रश्मि मिश्रा पदमिनी तिवारी विजय राजपूत करन अनुभव दीक्षित गुड्डू साहू छोटू राजपूत विपिन दीक्षित सहित काफी संख्या क्षेत्रीय मौजूद रहे।

अल्पसंख्यकों हेतु चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं की गई समीक्षा बैठक

बीपीएस न्यूज

कानपुर । उ0प्र0 अल्पसंख्यक आयोग, लखनऊ के सदस्य सरदार परविन्दर सिंह, रूमाना सिद्दीकी एवं नवेन्दु सिंह इजिकेल द्वारा सर्किट हाउस, कानपुर नगर में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ अल्पसंख्यकों से जुड़ी समस्याओं के समाधान तथा सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के शौक्षणिक, आर्थिक एवं समाजिक उत्थान हेतु चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी। उक्त समीक्षा बैठक में पुलिस आयुक्त, पुलिस उपायुक्त, अपर जिलाधिकारी (नगर), अपर नगर आयुक्त (नगर निगम), समस्त उपजिलाधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, अधिशाषी अभियन्ता (विद्युत) आदि उपस्थित रहे। अल्पसंख्यक आयोग के सम्मानित सदस्यगणों सरदार परविन्दर सिंह, रूमाना सिद्दीकी एवं नवेन्दु सिंह इजिकेल द्वारा आयोजित बैठक में जनपद में स्थित अल्पसंख्यक समुदाय के धार्मिक स्थलों पर सौन्दर्याकरण कराने, धार्मिक स्थलों/कब्रिस्तान के आस-पास अवैध अतिक्रमण हटाये जाने, अल्पसंख्यकों हेतु संचालित योजनाओं के प्रचार-प्रसार, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र, ई0डब्लू0एस0 प्रमाण पत्र इत्यादि बनाये जाने हेतु शिविरों का आयोजन कराने के निर्देश दिये गये।

ज्ञान-विज्ञान प्रदर्शनी में विधार्थियों ने किया अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

कानपुर । इण्टरमीडिएट एजूकेशन सेंटर, सतबरी रोड, में विज्ञान, वाणिज्य व कला प्रदर्शनी में विधार्थियों द्वारा ने अपने माडलों को प्रस्तुत करके अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में कक्षा 6 से कक्षा 12 तक के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रदर्शनी में बच्चों ने विभिन्न नवीनतम मॉडल प्रस्तुत किया और अतिथियों को उनके बारे में विस्तृत जानकारी दी। मुख्य आकर्षण का केंद्र कक्षा 12 के विधार्थियों द्वारा बनाया गया भ्रूण परिर्वधन मॉडल रहा इसके अलावा रेन वाटर हार्वेस्टिंग, स्मार्ट सिटी, सोलर एक्लिप्स, ऑटोमैटिक स्ट्रीट लाइट, नाइफ पेंटिंग तथा वाणिज्य वर्ग द्वारा एटीएम मॉडल आदि को खूब सरहा गया। भारती गुप्ता, कृति श्रीवास्तव, प्रियांशु वर्मा, अनुश्री, कीर्ति शंखवार, देवांशी सिंह, आयूषी बाजपाई आदि छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि बृजेश मिश्रा द्वारा फीता काटकर किया गया।

51 निराश्रितो को समिति के सदस्यों ने वितरित की रजाई

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर के लालपुर गांव में महावीर परमार्थ सेवा समिति के द्वारा निराश्रितो को रजाई वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान यहां पर पहुंचे 51 गरीबों को रजाई समिति के सदस्यों के द्वारा रजाई वितरण की गई। रजाई पाकर गरीबों की खुशी का ठिकाना न रहा। यहां पर रजाई वितरण के साथ खिचड़ी भोज भी संपन्न हुआ। घाटमपुर तहसील क्षेत्र के लालपुर गांव में विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी महावीर परमार्थ सेवा समिति के तत्वाधान में रजाई वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महावीर परमार्थ सेवा समिति के सदस्यों ने बताया कि समिति के द्वारा सबसे पहले क्षेत्र में रहने वाले गरीब और निराश्रितो की सूची बनाई जाती है, जिसके बाद उन्हें प्रतिवर्ष चिन्हित करके जरूरतमंदों को रजाई वितरण की जाती है। लालपुर गांव में समिति के द्वारा 51 गरीब और निराश्रित लोगों को रजाई वितरित की गई है। जिनमे कुछ दिव्यांग भी शामिल हैं। यह समिति घाटमपुर में दो जगह पर रजाई वितरण कार्यक्रम करती है, लालपुर और घाटमपुर में साल में एक बार गरीबों को रजाई दी जाती है। समिति का उद्देश्य है, कि सर्दी लगने से क्षेत्र में किसी गरीब की मौत न हो। इस दौरान यहां पर रजाई वितरण कार्यक्रम के साथ खिंचड़ी भोज का अयोजन किया गया। यहां पर आए हुए लोगो ने खिचड़ी का प्रसाद चखा है। इस दौरान यहां पर रज्जन सविता, डॉ राजेश कुमार, के लाल पतारा, डॉ महेश सविता, संजीव दिवाकर, सुनील शुक्ला, मयंक अवस्थी, ब्रजेश सविता, उमेश आर्य, राम जी तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

टीबी पर एक संवेदीकरण हुई कार्यशाला छात्र छात्राओं को किया जागरूक

बीपीएस न्यूज

कानपुर । क्षय रोग (टीबी) के उन्मूलन के लिए समुदाय को लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को चुन्नीगंज स्थित बीएनएसडी इंटर कॉलेज के नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के छात्र छात्राओं के लिए स्वास्थ्य विभाग ने टीबी पर एक संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया। इसका आयोजन जिलाधिकारी विशाख जी के निर्देशन व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आलोक रंजन के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ आरपीमिश्रा, जिला कार्यक्रम समन्वयक (डीपीसी) राजीव सक्सेना ने एनसीसी के अधिकारियों और छात्रों को टीबी मुक्त भारत अभियान में सहयोग करने का आग्रह किया। एनसीसी के लेफ्टिनेंट एसके सिंह ने आश्वस्त किया कि वह टीबी के खिलाफ जंग में जनपद प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के साथ हैं। एनसीसी के समस्त कैडेट समुदाय में लोगों को टीबी रोग के प्रति जागरूक करेंगे।

प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जरिये हमने टीबी मुक्त भारत अभियान के बारे में बहुत कुछ सुना है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी विजन है कि वर्ष 2025 तक देश टीबी मुक्त हो जाए। इसके लिए हम सबको एक साथ टीबी के खिलाफ आवाज उठानी होगी। स्वास्थ्य अधिकारियों के द्वारा बताया गया कि लगातार दो हफ्ते या उससे अधिक खांसी आना, खांसी के साथ बलगम व कभी कभी खून आना, रात में पसीना आना, भूख न लगना और वजन में लगातार गिरावट टीबी हो सकती है। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरन्त नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर सम्पर्क करें। जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ आरपी मिश्रा ने बताया कि वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त भारत बनाने के लिए सरकार की ओर से हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए विशेष अभियान चलाये जा रहे हैं। विभागीय अधिकारी व कर्मचारी के साथ ही अन्य स्टेकहोल्डर्स, निजी चिकित्सक, मेडिकल स्टोर आदि इसकी रोकथाम के लिए जुटे हुये हैं। ऐसे में आम जनमानस की भी ज़िम्मेदारी बनती है कि वह इन बीमारियों से बचाव के लिए सतर्क व जागरूक रहें। इस दौरान एनसीसी के अधिकारियों को 'टीबी हारेगा देश जीतेगा', 'जन जन को जगाना है टीबी को भागना है', 'टीबी से बचाव करें और अपनों का ख्याल करें' आदि जन जागरूकता के संदेश दिये गए।डीपीसी राजीव सक्सेना ने बताया कि क्षय रोग से संबन्धित सभी प्रकार की जांच, दवाएं सभी सरकारी चिकित्सालयों में मौजूद हैं। निक्षय पोषण योजना के तहत टीबी के नए मरीज को उपचार के दौरान 500 रुपये प्रति माह अच्छे पोषण के लिए सरकार द्वारा दिये जा रहे हैं। निजी चिकित्सालयों में भी जिन टीबी मरीजों का इलाज चल रहा है, उन को भी 500 रुपये सरकार द्वारा प्रदान किया जाता है। यदि कोई व्यक्ति नए क्षय रोगी की प्रथम सूचना देता है तो उसे भी सरकार द्वारा 500 रुपये प्रदान किए जाते हैं।

जिलाधिकारी ने मध्य रात्रि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जरुरतमंदों को बांटे कंबल

बीपीएस न्यूज कानपुर। जिलाधिकारी विशाख जी0 द्वारा अत्यधिक ठंड के दृष्टिगत ठंड के प्रकोप से बचाव के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कज़्बल वितरण किया गया। जिसके क्रम में आज पुनः मध्य रात्रि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में गरीब असहाय जरूरतमंद लोगो को कंबल विरतण किया गया।कज़्बल वितरण मोतीझील, हैलेट फजलगंज, गोविंद नगर, विजयनगर, पनकी आदि क्षेत्रों में करते हुए उन्हें पास के रैन बसेरो में भेजा गया।जिलाधिकारी द्वारा निरीक्षण के दौरान उपस्थित नगर निगम के सज़्बन्धित अधिकारी को निर्देशित किया गया कि शहर के समस्त चिन्हित स्थानों में अलाव जलाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (नगर) राजेश कुमार, उप जिलाधिकारी सदर प्रखर सिंह, तहसीलदार सदर रितेश कुमार सिंह, सिविल डिफेंस चीफ वार्डेन रोहित मल्होत्रा समेत अन्य सिविल डिफेन्स के वार्डेन उपस्थित रहे।

राशन कोटेदारों द्वारा लाभांश बढ़ाने उठाई आवाज

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नर्वल तहसील के ब्लाक सरसौल के कोटेदार द्वारा प्रदेश सरकार मांग से अन्य प्रदेशों के कोटेदारों के लाभांश अनुसार उन्हें भी लाभांश दिया जाय। इस सम्बन्ध में विधानसभा अध्यक्ष को पत्र दिया। करोना काल में भी प्रदेश के कोटेदार शासन की मंशा के अनुसार राशन वितरण करते है। कोरोना काल में कोटेदार प्रधानमंत्री अन्न योजना व राष्टीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत निशुल्क वितरण किया गया। कोटेदार अपने व अपने परिवार के जीवन की परवाह न करते हुए सरकार के दिशा निर्देश में ई-पॉस मशीन से ईमानदारी के साथ वितरण किया। जिसकी सरहना भारत सरकार ने प्रशस्ति पत्र दिया गया। कोटेदारों को लाभांश के रूप में 90 रू0 प्रति कुन्टल ही मिलता है जबकि अन्य प्रदेशो में जैसे हरियाणा, गोवा, केरल, 200/-रूपये मिलता है। महाराष्ट्र में 150/-, राजस्थान 125/-, गुजरात में मानदेय 20,000/- दिया जा रहा है। प्रदेश के कोटेदारों को भी अन्य प्रदेशो की भांति लाभांश देने व मंहगाई को देखते हुए कोटेदारों का भरण पोषण सुचारू रूप से हो सके। अन्यथा की स्थित में एक जनवरी से राशन विक्रेता वितरण कार्य से विरत रहेगें जिससे सारा उत्तर दायित्व शासन प्रशासन का होगा।

गोल्डी मसाला फैक्ट्री के हल्दी गोदाम में लगी आग

कानपुर नगर, थाना बिठूर क्षेत्र के अंतर्गत गोल्डी मसाला फैक्ट्री के हल्दी गोदाम में आग लग गयी। अभी आग लगने के स्पष्ट कारण सामने नही आये है लेकिन आग लगने की जानकारी फैक्ट्री के आसपास रहनेव वाले लोगों द्वारा दी गयी। सूचना के उपरान्त मौके पर पुलिस और दमकल विभाग की पहुंची गाडियों द्वारा दमकल टीम ने बडी मशक्कल के बाद आग पर काबू पाया।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना बिठूर के मंधना रोड पर गोल्डी मसाले वालों की फैक्ट्री है, जहां मसाला पीसने और पैकिंग सम्बन्धि कार्य होता है। इस फैक्ट्री में अचानक आग लग गयी। फैक्ट्री के पास रहने वालो लोगों ने बताया कि उन्होने फैक्ट्री के ऊपरी हिस्से में आग की लपटों को देखा, जिसके उपरान्त पुलिस व दमकल विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल टीम द्वारा बडी मशक्कत के बाद आग पर काबू किया गया। बताया जाता है कि फैक्ट्री के ग्राउण्ड फ्लोर पर जहां हल्दी पीसने का काम होता है आग सर्वप्रथम वहां लगी थी, जिसके बाद द्धितीय तल पर रखी हल्दी के बोरो में भी आग लग गयी। आग के कारण लाखो रूपये का नुकसान हो गया। आग के कारणों का पता नही चल सका है। जिस समय आग लगी थी, उस समय पिसाई यूनिट बंद थी और कोई भी कर्मचारी उस समय वहां उपस्थित नही था।

2024 में पर्यावरण संरक्षण हेतु चलेगा वृहद अभियान

कानपुर, ।अभियान के संयोजक व टिंबर उद्योग व्यापार मण्डल के प्रदेश महामंत्री गुरुज़िन्दर सिँह ने लखनऊ में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से मुलाक़ात कर उन्हें पौथा लगा गमला भेंट किया। गुरुजिंदर सिँह ने बताया कि विगत 5 वर्ष से कानपुर में my dream कानपुर green अभियान के तहत कानपुर के जनमानस को पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधे - गमले मुफ्त में वितरित कर रहे है। इस कार्यक्रम को 2024 में वृहद आकार देने के लिए 20 जनवरी से हर माह पौधा वितरण का कार्य कानपुर में विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया जायेगा। कानपुर में पर्यावरण संरक्षण हेतु अभियान के संयोजक गुरुज़िन्दर सिँह ने कहा कि कानपुर को प्रदूषण मुक्त करने के लिए कानपुर के जनमानस को पहल करनी होंगी।

पौधे लगाने से हमारा घर व आस पास का पर्यावरण प्रदूषण मुक्त तो होगा ही, हरियाली से खूबसूरत भी लगेगा।

दबंगो ने विकलांग की ज़मीन पर किया कब्ज़ा

कानपुर। कल्याणपुर ब्लॉक के कल्याणपुर कला गैस गोदाम के निकट एक ज़मीन को लेकर नायब तहसीलदार अंकिता पांडे टीम के साथ निरीक्षण करने पहुंची।दबंगो ने विकलांग की ज़मीन पर अवैध कब्जा कर रखा था। पिछले चार सालों से विकलांग अधिकारियों के कार्यालय के चक्कर लगा रहा था, फिर भी नही न्याय मिलने पर नायब तहसीलदार अंकिता पांडे के संज्ञान में मामला आया। उन्होंने विकलांग की ज़मीनी हकीकत जानने के लिए मौके पर नज़री नक्शा देख जमीन की नाप की। ज़मीन मालिक विकलांग रावेंद्र कुमार ने आरोप लगाते हुए बताया दबंग महादेव गुप्ता ने 4 वर्षो से ज़मीन पर कब्जा कर रखा है। विकलांग ने 2019 में रामकुमार से यह जमीन खरीदी थी। करोना काल में लाकडाउन का फायदा उठाकर दबंग महादेव ने ज़मीन पर कब्जा कर लिया।

नायब तहसीलदार अंकिता पांडे ने बताया मामला संज्ञान में आते ही ज़मीनी हकीकत जानने पहुंची थी ज़मीनी विवाद है। दोनो पक्षों ज़मीन का दावा कर रहे है। वही, एक पक्ष रावेंद्र कुमार ने अपना बैनमा समेत सारे दस्तावेज दिखा दिए है। दूसरे पक्ष महादेव ने अपने दस्तावेज़ नही दिखा पाए। दो दिन का समय दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिए हैं। दो दिन बाद उचित कार्यवाही की जाएंगी।

युवक की हत्या से आक्रोशित परिजनो व ग्रामवासियों ने सड़क जाम कर किया हंगामा

मौके पर पहुंच एसीपी बिल्हौर के समझाने के बाद ग्रामीणों ने सडक से हटाया जाम

बीपीएस न्यूज

कानपुर। युवक का अपहरण और उसकी हत्या किए जाने के आरोप लगाते हुए आक्रोशित परिजनो तथा ग्रामवासियों ने पोस्टमार्टम के बाद सडक पर शव रखकर मार्ग अवरोधित करते हुए हंगामा किया तथा जांच की मांग की। हंगामे और सडक जाम की सूचना पर पुलिस तथा एसीपी बिल्हौर के साथ अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गये और किसी प्रकार आक्रोशित लोगों को शांत कराया। इसके बाद परिजन शव को अंत्येष्ठि के लिए लेकर चले गये। इस दौरान लगभग दो घंटे मार्ग पर आवागमन पूरी तरह ठप्प रहा और वाहनो की कतार लग गयी। बतातें चले कि चौबेपुर थाना क्षेत्र के चंपतपुर गांव का रहने वाला एक युवक मंगलवार की शाम से लापता हो गया था। उसका शव गुरूवार को कन्नौज के जलालाबाद व सफीपुर जप्ती के बीच एसबी डिग्री कालेज के सामने रेल मार्ग पर पडा मिला था, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। शनिवार की सुबह पोस्टमार्टम के बाद आक्रोशित परिजनों तथा ग्रामीणों ने शव को चम्पतपुर गांव के सामने बेला मार्ग पर रखकर जाम लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया और जांच की मांग करने लगे। सडक जाम की सूचना पर स्थानीय थानापुलिस के साथ एसीपी बिल्हौर अजय कुमार द्विवेदी और अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और परिजनों से बात की। एसीपी ने परिजनों से युवक द्वारा ट्रेन के सामने कूद कर आत्महत्या की बात की गयी। एसीपी के समझाने के बाद लोगों का गुस्सा कम हुआ और वह लोग शव के अंतिम संस्कार करने के लिए शव को लेकर चले गये। इस दौरान लगभग दो घंटें के लिए यातायात बाधित रहा और वाहनो की कतार लग गयी, काफी देर बाद यातायात सामान्य हो सका।

भारतीय मजदूर संघ के कुशल कार्यकर्ता थे गिरीश अवस्थी

कानपुर। गिरीश अवस्थी जी भारतीय मजदूर संघ के कुशल कार्यकर्ता थे। सदैव संगठन के कार्यों में लगे रहे। ये बातें भारतीय मजदूर संघ के राष्टीय महामंत्री रविंद्र हिमते ने बीएनएसडी शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज, बेनाझावर में शनिवार को आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कहीं। भारतीय मजदूर संघ के पूर्व अखिल भारतीय अध्यक्ष व अनेक दायित्वों का निर्वहन करने वाले गिरीश अवस्थी जी का निधन 23 दिसंबर को ह्रदय गति रुक जाने के कारण हो गया था। इस मौके पर उनके साथ कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं ने गिरीश जी के जीवन पर प्रकाश डाला। श्रद्धांजलि सभा में संघ, अनुषांगिक संगठन सेवा भारती, विद्यार्थी परिषद, संस्कार भारती, ग्राहक पंचायत, भाजपा समेत विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी मौजदू रहे। इस मौके पर क्षेत्रीय संगठन मंत्री अनुपम, प्रदेश महामंत्री अनिल उपाध्याय, पूर्व महामंत्री श्रीकांत अवस्थी, प्रतिरक्षा मजदूर संघ के राष्टीय महामंत्री मुकेश सिंह, एमएलसी अरुण पाठक, सेवा भारती कानपुर प्रांत के संरक्षक स्वतंत्र अग्रवाल, अरविंद अवस्थी, सुखदेव प्रसाद मिश्रा, रामनिवास सिंह, साधू सिंह, रामकिशोर मिश्र, प्रदीप राय, सुरेश यादव, संजय प्रताप सिंह, जिला मंत्री फिरोज आलम, प्रदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

विकास के दिए तले अंधेरा, कई क्षेत्रों में अभी भी नही लग सके बिजली के खंभे

शहर के किनारे के क्षेत्र विकास से कोसो दूर, बिजली विभाग नही दे रहा ध्यान बिजली कनेक्शन के लिए दूसरो की छतों से खंभे तक ले जा रहे बिजली के तार

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर, बिजली विभाग की इसे लापरवाही कहें या अधिकारियों की कार्य प्रणाली की लचरता। सरकार भले ही जनता के हितों के विषय पर चिंतित हो लेकिन विभागीय अधिकारी का वही पुराना ढर्रा चलता जा रहा है। बात जब शासन तक पहुंचती है तब किसी प्रकार की कार्यवाही को अमल में लाया जाता है। बात है कानपुर हाइवे से लगे क्षेत्र सतबरी, न्यू आजाद नगर की, जहां सडक से लेकर बिजली व्यवस्था बदहाल स्थिति में है। यहां कई गलियों में आज तक बिजली के खंभे तक नही लगे है और बिजली कनेक्शन उपभोक्ताओं को बिजली का तार दूसरो के घरों की छतों से फंदाकर लाना पड रहा है।

सतबरी के न्यू आजाद नगर क्षेत्र में बिजली व्यवस्था का स्वरूप आज भी बिगडा हुआ है। यू तो सडकों पर लगे खंभो में तार दौड रहे है, लेकिन गलियों में अभी भी बिजली के खंभे न होने के कारण उपभोक्ताओं को दूसरे की घरों की छतों से बिजली के तार खीचना पड रहा है।इस कारण जहां उपभोक्ताओं को दूसरे की बातें सहनी पडती है तो वहीं बिजली के तार में कट लगने के साथ अन्य व्यवधानों का सामना करना पडता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि गली में बिजली खंभे लगने के लिए कई बार विभाग को सूचित किया, नेताओं के यहां भी गये लेकिन समस्या का अभी तक कोई हल नही निकल सका है। एक खासी रकम बिजली मीटर कनेक्शन के साथ बिजली तार खरीदने में लग जाती है। निवासी संगीता गुप्ता ने बताया कि उनके बिजली मीटर का बिल बकाया था और बिजली कट चुकी थी।सरकार द्वारा पूर्ण भुगतान पर छूट योजना का लाभ लेने के बाद पुनः मीटर उनके घर पर लगाया गया लेकिन उनकी एक बडी रकम बिजली का तार खरीदने में ही खर्च हो गयी। संगीता ने बताया कि उनके पति की चाय की दुकान है और बडी ही मुश्किल से परिवार का भरण-पोषण होता है। यदि गली में खंभे होते तो उनका बिजली के तार का पैसा बच जाता। इसी प्रकार अन्य घरों के लोगो की भी यही शिकायत है।

अमेरिका से आई महिला का बिग बाजार से हुआ मोबाईल चोरी

कानपुर नगर, अमेरिका से भारत पहुंची और कानपुर आई महिला का बिग बाजार में खरीदारी करने के दौरान चोरो द्वारा ईफोन पार कर दिया गया। महिला को मोबाइल चोरी होने का एहसास होते ही उसके प्रयास के बाद भी मोबाइल का पता नही चल सका वहीं सीसीटीवी फुटेज में एक बच्चे को महिला के पास देखा गया।अमेरिका से कानपुर पहुंची देविका अग्रवाल बिग बाजार में खरीदारी करने गयी हुई थी, जहां से उसका मोबाइल चोरी हो गया। बताया जाता है कि महिला देविकी अग्रवाल अपने परिवार के साथ बिग बाजार गयी थी और वहां भीड के कारण उसका ध्यान खरीदारी पर लगा हुआ था। बताया कि उनके पास लगभग 11 वर्ष का एक बच्चा हाथ में पॉलीथिन लेकर खडा था और कुछ ही देर में उन्हे एहसास हुआ कि अब उनका मोबाईल उनकी जेब में नही है। उन्होने इसके बाद उस बच्चे को काफी ढूंढने का प्रयास किया लेकिन वह बच्चा कहीं नही दिखा। वहां लगे सीसी टीवी फुटेज में महिला के पास खडा बच्चा स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

आयोध्या के मंदिरो में चढ़ें फूलों से बनेगी धूप व अगरबत्ती

रामलाल की प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होने के बाद फूलों को उठाने की प्रक्रिया होगी शुरू

कानपुर।आध्योघ्या में आगामी 22 जनवरी को श्री रामलला की प्रतिष्ठा समारोह होना है और अब रामलाल मंदिर के साथ ही आयोध्या के अन्य मंदिरों के फूलों को एकत्र कर उनसे अगरबत्ती तथा धूपबत्ती का निर्माण किया जायेगा। माना जा रहा है कि आयोध्या में प्रतिष्ठा समारोह के उपरान्त पूरे देश से करोडो श्रृद्धालुओं का आना होगा और इसमें श्रीराम के पूजन के लिए फूलों को भी अर्पित किया जायेगा। ऐसे में फूल बडी संख्या में एकत्र होगे साथ ही आयोध्या के अन्य मंदिरों से भी प्रतिदिन कुन्टलों निकलने वाले फूल व्यर्थ न हो इसके लिए इस प्रक्रिया पर काम शुरू किया जायेगा। 22 जनवरी के बाद से आयोध्या के मंदिरों से फूलों को उठाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जायेगी।भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा का भव्य समारोह 22 जनवरी को किया जा रहा है, जिसके बाद आम जन-मानस के लिए रामलला के दर्शन के लिए दरवाजे खोल दिऐ जायेगे। रामलला के साथ ही आयोध्या में अन्य बडे मंदिरों में नागेश्वर नाथ मंदिर, अममाजी मंदिर, हनुमान गढी, स्वामी नारायण मंदिर आदि है जहां पर भी श्रृद्धालु भारी संख्या में पहुंचेगे। अब ऐसे में प्रतिदिन कुन्टलों निकलने वाले फूलों को उपयोग में लाये जाने का काम शुरू किया जा रहा है। बताया जाता है कि 22 जनवरी के बाद आयोध्या के मंदिरों से फूल उठाने का कार्य शुरू कर दिया जायेगा। इन फूलो से आईआईटी के इंक्यूबेशन सेल से इंक्यूबेटेड कंपनी जो फूलो से धूप तथा अगरबती बनाती है उसके द्वारा धूप व अगरबत्ती बनाने का काम किया जायेगा। कम्पनी के संस्थापक अंकित अग्रवाल ने बताया कि आयोध्या से जल्द ही फूल उठाने का कार्य शुरू करा दिया जायेगा और उन फूलों से अगरबत्ती तथा धूपबत्ती निर्माण कार्य शुरू होगा। इससे फूल भी व्यर्थ नही होगे और एक प्राकृतिक सुंगध की वस्तु भी निर्मित हो जायेगी।

सोमवार से हो रही नए साल की शुरुआत

सोमवार का दिन भगवान भोलेनाथ का दिन माना जाता है, इसलिए नए साल की शुरुआत को बेहद ही शुभ माना जा रहा है। ज्योतिष के जानकारों के अनुसार नए साल के पहले दिन कुछ उपाय करने से शिव जी प्रसन्न होंगे और पूरे वर्ष आप पर महादेव की कृपा बनी रहेगी।

कुछ दिन बाद से ही नए साल का आगाज होने वाला है। इस बार नए साल की शुरुआत बेहद ही शुभ संयोग में होने वाली है। दरअसल इस बार नए साल के पहले दिन यानी 01 जनवरी को सोमवार है। सोमवार का दिन भगवान भोलेनाथ का दिन माना जाता है, इसलिए नए साल की शुरुआत को बेहद ही शुभ माना जा रहा है। ज्योतिष के जानकारों के अनुसार नए साल के पहले दिन कुछ उपाय करने से शिव जी प्रसन्न होंगे और पूरे वर्ष आप पर महादेव की कृपा बनी रहेगी। ऐसे में चलिए जानते हैं शिव जी को प्रसन्न करने वाले कुछ खास उपायों के बारे में

भगवान भोलेनाथ शीघ्र प्रसन्न होने वाले देवता हैं। ये मात्र एक लोटा जल से प्रसन्न हो जाते हैं। ऐसे में साल के पहले सुबह स्नान करें और किसी शिव मंदिर जाकर या घर पर ही शिवलिंग का जलाभिषेक करें। इससे शिव जी प्रसन्न होंगे और आप पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखेंगे।

शिव जी को बेलपत्र बहुत प्रिय

ऐसे में भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए साल के पहले दिन बेलपत्र जरूर चढ़ाएं। इससे शिव जी प्रसन्न होंगे और आपकी सभी मनोकामनाओं को पूरा करेंगे।

भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए किसी विशेष मिठाई की जरूरत नहीं है। शिव जी मात्र धतूरा और बिल्व पत्र से ही प्रसन्न हो जाते हैं। हालांकि आप चाहें तो इस दिन शिव जी को घी, शक्कर, गेंहू का आटे से बने प्रसाद का भोग लगा सकते हैं।

शिव जी को सफेद रंग अति प्रिय है। ऐसे में शिव का आशीर्वाद पाने के लिए साल के पहले दिन स्नानादि के बाद सफेद रंग या उससे मिलते जुलते रंग के वस्त्र पहनें। साथ ही माथे पर चंदन का जरूर तिलक लगाएं।

यदि संभव हो तो अपने सामर्थ्य के अनुसार साल के पहले दिन दही, सफेद वस्त्र, दूध और शक्कर का दान करें। इन चीजों के दान से भोलेनाथ अपने भक्तों से प्रसन्न हो जाते हैं।

पूरा उत्तर भारत शीत लहर की चपेट में है, बढ़ती ठंड के कारण बंद किए गए स्कूल

पूरा उत्तर भारत शीत लहर की चपेट में है जिस कारण लोगों की परेशानियां काफी हद तक बढ़ चुकी है। देश की राजधानी दिल्ली समेत कई राज्यों में ठंड का कहर जारी है। दिल्ली समेत कई राज्यों में कोहरा भी बेहद अधिक पढ़ने लगा है जिस कारण विजिबिलिटी पर भी असर हो रहा है। इसी बीच उत्तर प्रदेश के अधिकतर जिलों में कोहरे के कारण लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में कोहरे के साथ ठंड भी बेहद अधिक पड़ने लगी है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने फैसला किया है कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, बाराबंकी, मेरठ, अंबेडकरनगर, बांदा, इटावा, हरदोई, अमेठी, जौनपुर, झांसी समेत कई जिलों में स्कूल बंद रखे जाएंगे। वहीं छात्रों की परेशानी को दूर करने के उद्देश्य से कई स्कूलों के टाइम में भी बदलाव किया गया है। जानकारी के मुताबिक गौतम बुद्ध नगर प्रशासन ने ठंड के मौसम को देखते हुए शुक्रवार और शनिवार यानी 29 और 30 दिसंबर को सभी स्कूलों को बंद रखने का फैसला किया है।

घने कोहरे की चादर और अत्यधिक ठंड के मध्य नजर यह फैसला किया गया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार दो दिनों के लिए स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी हुआ है। वहीं जिला अधिकारी गौतम बुद्ध नगर द्वारा दिए गए निर्देशों में सभी बोर्ड यानी सीबीएसई, आईसीएसई, आईबी और अन्य बोर्ड से मान्यता प्राप्त स्कूलों में दो दिन की छुट्टी के आदेश दिए गए हैं ।वही गाजियाबाद में लगातार पड़ रही कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के मद्देनजर स्कूलों के समय को बदल गया है। गाजियाबाद में कक्षा 1 से आठवीं तक के सभी स्कूलों का समय अब सुबह 10ः00 बजे से दोपहर 3ः00 बजे तक किया गया है। हालांकि मथुरा में स्कूल के समय में बदलाव किया गया है। इस फैसले के संबंध में आदेश सभी स्कूलों को जारी किए जा चुके हैं। वही मेरठ की बात करें तो यहां नर्सरी से लेकर आठवीं कक्षा तक के सभी स्कूलों को 29 और 30 दिसंबर को बंद रखा जाएगा। यहां सभी स्कूलों की छुट्टी घोषित की गई है। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ और आगरा में भी बढ़ती ठंड के कारण स्कूलों की छुट्टी घोषित की गई है।

ठंड से बचने के लिए चिताओं की सुलगती लकड़ियों के बीच सो गया बुजुर्ग

रैन बसेरा की व्यवस्थाओं पर उठ खडा हुआ सवाल, शहर में नही हो सकी अभी तक अलाव की व्यवस्था

कानपुर नगर, उम्र का ऐसा पडाव जब हांथ-पैर काम करना लगभग बंद कर चुके है, ऊपर से बेसहारा जिंदगी। ऐसी ठण्ड में जब लोगों को रजाई में ठण्ड सता रही है, ऐसे में एक बुजुर्ग स्वयं को ठण्ड से बचाने के लिए श्मशान में चिताओं की सुलगती लकडियों के बीच सो गया। यह ऐसा नजारा था, जब मुर्दा चिताओं के बीच जिंदा आदमी जीवन अपने जीवन को बचाने का प्रयास करता दिखाई दे रहा था। खैर स्थानीय लोगो ने इसका वीडियों बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया।

हम किस आधुकिता की बात कर रहे है, समाज में आज भी लोगों के पास छत नही है, कोई अपना नही है, बेसहारा, बेबस अपनी जिंदगी काटने वालो के प्रति नगर प्रशासन भी सजग नही दिखाई देता। एक ओर सरकार अलाव और रैन बसेरा की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए हर वर्ष विशेष प्रावधान करती है लेकिन नीचे के सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के कारण आम जनमानस तक लाभ नही पहुंच पाता। एक मन विचलित मरने वाला मामला सामने आया। पार्वती बांगला रोड से लगे गंगा किनारे स्थित भैंरव घाट पर शवों का अंतिम संस्कार किया जाता है और यहीं पर चिताओं की सुलगती लकडियों के बीच स्वयं को ठण्ड से बचाने के लिए एक बुजुर्ग सो गया। स्थानीय लोगों ने जब यह विडीयों सोशल मीडिया पर डाला तो तेजी से वायर हुआ।

मंदिरों और घाटों पर रहते है सैकडों बेसहारा बुजुर्ग

यह कोई एक बुजुर्ग की कहानी नही है। कानपुर के घाट मंदिरों के घाट है और लगभग यहां सभी घाटों पर बेसाहारा बुजुर्ग बडी संख्या में रहते है जो यहां आने वाले श्रृद्धालाओं की कृपा के सहारो अपनी जिंदगी गुजार रहे है। भैरवघाट, बाबा आनन्देश्वर घाट, बिठूर के घाट, सरसैया घाट, जाजमऊ खेरेपति घाट आदि स्थानो पर एसे बुजुर्ग देखे जा सकते है।

अखिलेश यादव की चेतावनी बेअसर, स्वामी प्रसाद मौर्य ने फिर दिया हिंदू धर्म को लेकर विवादित बयान

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी नेताओं को हाल ही में नसीहत दी थी कि वह किसी भी तरह के विवादित बयान को देने से बचें। अखिलेश यादव ने महाब्राह्मण सभा में पार्टी नेताओं को आपत्तिजनक बयान नहीं देने को कहा था। हालांकि अखिलेश यादव की इस नसीहत का स्वामी प्रसाद मौर्य पर कोई असर नहीं हुआ है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर से हिंदू धर्म को लेकर विवादित बयान दे दिया है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने यह बयान दिल्ली के जंतर मंतर पर एक कार्यक्रम के दौरान दिया। उन्होंने महाब्राह्मण सभा के महज 24 घटों के भीतर ही हिंदू धर्म को लेकर विवादित बयान दे दिया है ।समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि हिंदू धर्म एक धोखा है। उनके इस बयान को लेकर विवाद काफी अधिक बढ़ गया है। बता दे की जंतर मंतर में कार्यक्रम में हिस्सा लेने के दौरान स्वामी प्रसाद मौर्य ने हिंदू धर्म को एक धोखा बताते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 1995 में अपने आदेश में कहा था कि हिंदू कोई धर्म नहीं है। यह लोगों के जीवन के जीने की एक शैली है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत कह चुके हैं कि हिंदू कोई धर्म नहीं बल्कि जीवन जीने का तरीका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कह चुके हैं कि हिंदू कोई धर्म नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि जब ऐसे लोग बयान देते हैं तो लोगों की भावनाएं आहत नहीं होती लेकिन यही बात स्वामी प्रसाद मौर्य कहे तो हिंदू धर्म धर्म नहीं बल्कि धोखा है तो लोगों की भावनाएं आहत हो जाती है।

सास दिनभर रील और सास-बहू का सीरियल देखती है, मेरे फोन का डेटा कर देती है खत्म, परेशान बहू पहुंची थाने

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में सास-बहू के झगड़े का एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है. 22 साल की एक बहू अपनी 55 साल की सास से परेशान होकर थाने पहुंची है. थाने पहुंचकर उसने पुलिस से कहा कि मेरी सास दिनभर रील और सास-बहू का सीरियल देखती है.

मेरे फोन का डेटा खत्म कर देती हैं. जब मेरे फोन का डेटा खत्म हो जाता है, तब वह धीरे से जाकर सो जाती है. बहू ने थानेदार से कहा कि मैं सास की हरकतों से परेशान होकर थाने आई हूं. मुझे न्याय चाहिए.

बहू ने पुलिस स्टेशन पहुंचने के बाद बताया कि सास हमेशा किसी ना किसी बहाने से फोन मांग लेती हैं. कभी वह कहती हैं कि बहन से बात करनी है तो कभी कहती हैं कि मायके में बात करनी है.

यह कहकर वह फोन ले लेती हैं. फिर दिनभर रिल्स और सीरियल देखकर फोन का डेटा खत्म कर देती हैं. बहू ने बताया कि जब मैं अपना काम खत्म कर मोबाइल देखती हूं तो डेटा खत्म रहता है.बहू ने थानेदार को बताया कि कुछ दिन ऐसा होता रहा, तब मैंने कुछ भी नहीं कहा, लेकिन जब लगातार वह ऐसा करने लगीं तो मैंने जब उनसे पूछा तो वह झगड़ा करने लगीं. उन्होंने इसके लिए गाली-गलौज भी किया. इसको लेकर मैंने जब पति से बात की तो उन्होंने भी अपनी मां की साइड ली और मुझे ही समझाने लगे. इसके बाद मुझे मजबूरन थाने आना पड़ा.

सहारनपुर के सदर बाजार थाना क्षेत्र की रहने वाली महिला ने ये शिकायत की थी. महिला की शिकायत के बाद सास को थाने बुलाया गया और पुलिस ने दोनों के बीच समझौता करवाया. थाना प्रभारी प्रवेश सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि महिला सास द्वारा मोबाइल डेटा खत्म करने की शिकायत लेकर पहुंची थी और न्याय की मांग कर रही थी. वह अपनी सास से अलग रहने की जिद कर रही थी. इसके बाद महिला की सास और उसके पति को थाने बुलाया गया. सभी के बीच समझौता करवाकर घर भेजा गया.

जय श्री राम का नारा लगाते हुए अयोध्या की तीर्थयात्रा पर निकली मुस्लिम महिलाएं

राम की कट्टर भक्त और स्वयंभू सनातनी शबनम शेख ने मुंबई से अयोध्या तक पदयात्रा शुरू की। श्री राम की पताका लेकर वह सौ किलोमीटर से अधिक की यात्रा कर चुकी हैं। रास्ते में श्री राम के भक्तों के साथ उनकी मुलाकातों को कैद करते हुए, %जय श्री राम% का नारा लगाते हुए वीडियो तेजी से ऑनलाइन प्रसारित हो रहे हैं। शबनम नियमित रूप से अपनी ट्रैकिंग यात्रा को इंस्टाग्राम पर साझा करती हैं, जिससे उन्हें काफी सराहना मिलती है।

शबनम शेख ने कहा, जय श्री राम। श्री राम का साक्ष्य देना मेरे जीवन का उद्देश्य है, इसलिए मेरी अयोध्या यात्रा है। उनके प्रयास को दोस्तों, हिंदुओं और हिंदू संगठनों के सदस्यों से समर्थन मिलता है, जो राम को देखने की खोज में इस्लाम में जन्मी इस युवा महिला के पीछे एकजुट हो रहे हैं।

राम जन्मभूमि अयोध्या में भव्य राम मंदिर के आगामी उद्घाटन के लिए उल्टी गिनती शुरू हो गई है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को मंदिर का अनावरण करने के लिए तैयार हैं, जिसमें इसके पवित्र गर्भगृह में रामलला की मूर्ति होगी।

राम जन्मभूमि अयोध्या में भव्य राम मंदिर के आगामी उद्घाटन के लिए उल्टी गिनती शुरू हो गई है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को मंदिर का अनावरण करने के लिए तैयार हैं, जिसमें इसके पवित्र गर्भगृह में रामलला की मूर्ति होगी। राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से हजारों गणमान्य लोगों को निमंत्रण मिला है, जिसकी तैयारियां जोरों पर हैं। इस उत्साह के बीच, मुंबई की रहने वाली एक युवा मुस्लिम महिला शबनम शेख, भगवान राम की एक झलक पाने के लिए अयोध्या की तीर्थयात्रा पर निकलती है।

राम मंदिर के उद्घाटन के दौरान, राम लला की स्थापना के साथ-साथ धार्मिक समारोह देशभर में 500,000 मंदिरों की शोभा बढ़ाएंगे। आरएसएस के अधिकारी इन कार्यक्रमों की देखरेख करेंगे, जैसा कि ट्रस्ट के महासचिव चंपत रॉय ने पुष्टि की है, उन्होंने सनातन धर्म के अनुयायियों से देश भर के प्रत्येक मंदिर में धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होने का आग्रह किया है। 9 नवंबर, 2019 को सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले ने राम मंदिर विवाद को हल कर दिया, और प्रतिष्ठित राम जन्मभूमि पर इसके निर्माण को मंजूरी दे दी। 5 अगस्त, 2020 को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने इस महत्वपूर्ण मंदिर की आधारशिला रखी।

राम जन्मभूमि अयोध्या में भव्य राम मंदिर के आगामी उद्घाटन के लिए उल्टी गिनती शुरू हो गई है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को मंदिर का अनावरण करने के लिए तैयार हैं, जिसमें इसके पवित्र गर्भगृह में रामलला की मूर्ति होगी।राम जन्मभूमि अयोध्या में भव्य राम मंदिर के आगामी उद्घाटन के लिए उल्टी गिनती शुरू हो गई है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को मंदिर का अनावरण करने के लिए तैयार है, जिसमें इसके पवित्र गर्भगृह में रामलला की मूर्ति होगी। राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से हजारों गणमान्य लोगों को निमंत्रण मिला है, जिसकी तैयारियां जोरों पर हैं। इस उत्साह के बीच, मुंबई की रहने वाली एक युवा मुस्लिम महिला शबनम शेख, भगवान राम की एक झलक पाने के लिए अयोध्या की तीर्थयात्रा पर निकलती है।

ईश्वर में यदि अखंड श्रद्धा रखते हैं तो बीस सिर वाले रावण को भी आप मार सकते हैं

रामचरित मानस की यह चौपाई केवल रावण-अंगद संवाद तक ही सीमित नहीं है। बल्कि हमारे वर्तमान जीवन काल के लिए भी एक सीख है। सीख यह, कि आप अगर सनातनी हैं, तो निश्चित ही आपको भगवान श्रीहरि एवं महादेव की निंदा को कभी भी अपने कानों से नहीं सुनना। लेकिन दुख का विषय है, कि हम भले ही सनातन धर्म के अनुयाई ही क्यों न हों, लेकिन हम अपने इष्टों व देवों की निंदा को बड़े सहज ही सुनते रहते हैं। हमें कोई अंतर ही नहीं पड़ता, कि हमें हमारे धर्म का निरादर करने वालों को यथा सामर्थ रोकना चाहिए।

हमें लगता है, कि यह तो मंदिर के पुजारियों अथवा हमारे कथा वाचकों का ही कार्य है। जो कि एक बहुत ही निम्न स्तर की बात है। आप सोच रहे होंगे, कि विरोध करने वाले अगर बलशाली व सामर्थवान हैं और आप एक अकेले हो तो क्या तब भी उनसे भिड़ जायें। निश्चित ही यह प्रश्न चिंतन योग्य है। क्योंकि ऐसे प्रसंग में तो आपका परास्त होना अवश्यंभावी ही है। तो ऐसी परिस्थिति में आप निश्चित ही धैर्य से काम लें। क्योंकि सामने वाला व्यक्ति आपको, अपने कटु वचनों से ही तो कष्ट दे रहा है। तो आपको भी उसके शब्द बाणों को अपने शास्त्रीय तर्कों से ही काटना चाहिए। आपका विपक्षी कितना भी बलशाली क्यों न हो, अगर उसके तर्क उसे कटते दिखाई प्रतीत हों, तो निश्चित ही वह आपसे भयभीत होगा। हाँ, बाहर से भले ही वह आप पर भारी होने का नाटक करे, लेकिन भीतर से वह अवश्य ही वहाँ से भागना चाहेगा। ऐसे में हो सकता है, कि वह अपनी पराजय निश्चित जान, क्रोधित हो आपको हानि भी पहुँचाने का भाव रख सकता है, लेकिन आपको अपने मानसिक संतुलन से नहीं डिगना है। अगर लगे, कि आपके समक्ष मानव के वेश में एक पशु है, तो प्रयास करें, कि उस व्यक्ति से वार्ता को विराम दे दें। हाँ, अगर आपको लगता है, कि आप सामने वाले व्यक्ति को दण्डित करने में सामर्थ रखते हैं, तो शास्त्र सम्मत दंड देकर उसे अपने धर्म का ज्ञान देने का अवश्य प्रयास करें। याद रहे, कि उसे दंड देने का मनोरथ आपके क्रोध का पौषण करना नहीं होना चाहिए, अपितु उसे उसकी गलती का अहसास दिलाकर, अपनी शास्त्रीय विचार धारा से अवगत कराना होना चाहिए। कारण कि धर्म चर्चा का यह अर्थ कतई नहीं होता, कि आप सामर्थवान हैं, तो सामने वाले को दंडित ही करना है। मान लीजिए, कि ऐसी परिस्थिति में, अगर आप स्वयं को निर्बल महसूस कर रहे हैं, और देख पा रहे हैं, कि आप अपने विपक्षी का किसी भी प्रकार से प्रतिकार नहीं कर पा रहे हैं, तो ऐसे में सबसे बढ़िया सूत्र है, कि आप उस स्थान से ही हट जायें। और किसी भी प्रकार से 'हरि-हर' की निंदा को अपने कानों से न सुनें। वहाँ से हटने के पश्चात भी, ऐसा नहीं कि आप का संघर्ष समाप्त हो गया। अब आपको एक स्वस्थ चिंतन करना है, कि आखिर मैं उनकी बातों का शास्त्रीय प्रतिकार क्यों नहीं कर पाया। इस चिंतन से आप पायेंगे, कि आप को तो आपके शास्त्रों का ज्ञान ही नहीं है। कारण कि आप कहने को तो सनातनी हैं, लेकिन कभी मंदिर अथवा देवालय जाते ही नहीं। वहाँ विराजित धार्मिक शास्त्रों को कभी पढ़ते ही नहीं। तो कहाँ से आप किसी का शास्त्रीय उत्तर दे सकते हैं। इस चिंतन से आपको स्वयं से एक संकल्प करना है, कि अपने देवालयों का नित्य दर्शन व सेवा करना, आपके जीवन का अभिन्न अंग होगा।वीर अंगद जब रावण से चर्चा कर रहे हैं, तो वे लौकिक व अलौकिक सब प्रकार का ज्ञान रखते हैं।

जीव की संगति बदल कर उसका जीवन सुधार देते हैं महापुरुष

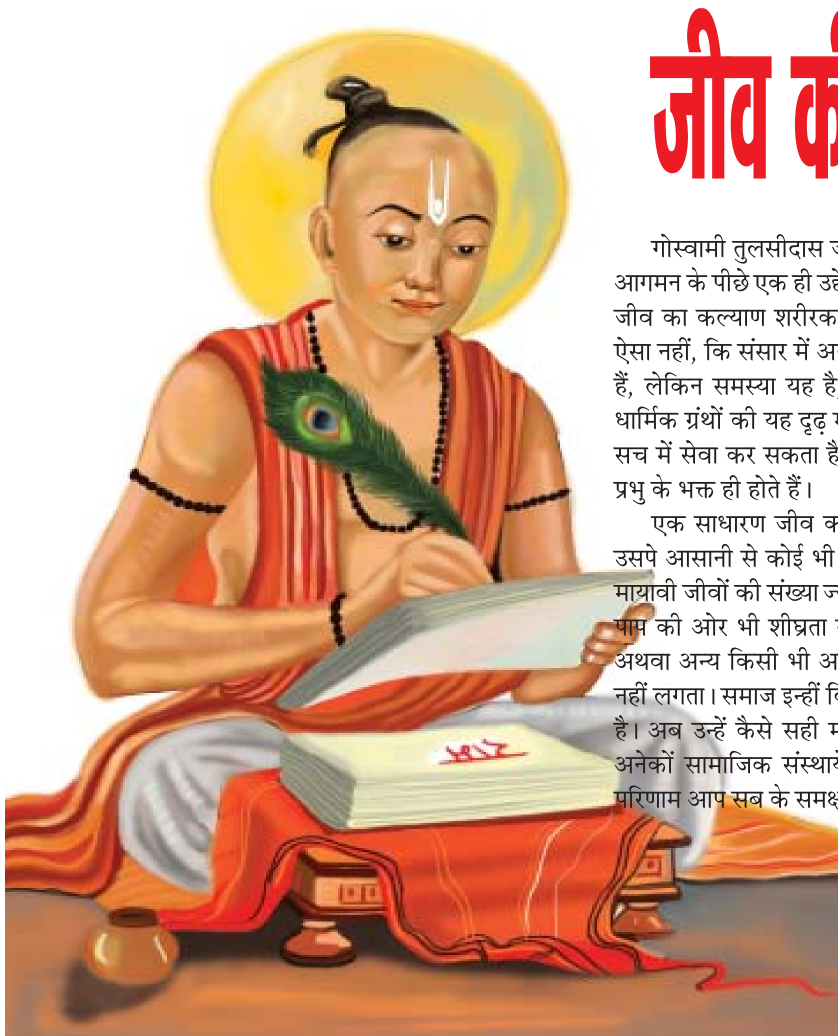

गोस्वामी तुलसीदास जी अथवा किसी भी महापुरुष के संसार में आगमन के पीछे एक ही उद्देश्य होता है, वह है जीव का परम कल्याण। जीव का कल्याण शरीरक, मानसिक व आत्मिक स्तर पर होता है। ऐसा नहीं, कि संसार में अन्य समाज सेवी लोग यह प्रयास नहीं करते हैं, लेकिन समस्या यह है, कि वे सफल नहीं हो पाते हैं। क्योंकि धार्मिक ग्रंथों की यह दृढ़ मान्यता है, कि जगत में अगर सच में कोई सच में सेवा कर सकता है, तो वे संत-महापुरुष, स्वयं ईश्वर अथवा प्रभु के भक्त ही होते हैं।

एक साधारण जीव का हृदय इतना अपरिपक्क-सा होता है, कि उसपे आसानी से कोई भी रंग चढ़ जाता है। जिसके चलते संसार में मायावी जीवों की संख्या ज्यादा होती है। परिणाम स्वरूप ऐसे ही जीव पाप की ओर भी शीघ्रता से अग्रसर होते हैं। उन्हें लालच, वैमनस्य अथवा अन्य किसी भी अवगुण के प्रभाव में आने में अधिक समय नहीं लगता। समाज इन्हीं विकृत व पीड़ित सोच वाले लोगों से पीड़ित है। अब उन्हें कैसे सही मार्ग पर लाया जा सकता है? इसके लिए अनेकों सामाजिक संस्थायें अथक प्रयास भी कर रही हैं। लेकिन परिणाम आप सब के समक्ष दृष्टिगोचर है।वहीं अगर यही दायत्व हमारे महापुरुष संभालते हैं, तो वे सर्वप्रथम एक ही कार्य करते हैं, वह यह कि वे उस जीव की संगति ही बदल देते हैं। संगति एक ऐसा माध्यम है, जिससे आप किसी भी मानव की वृति को आसानी से बदल सकते हैं। पारस के संग करने से कुधातु लोहा भी अमूल्य स्वर्ण बन जाता है, ठीक वैसे ही दुष्ट जन भी सतसंग के प्रभाव में आने से सुधर जाते हैं। उन्हें दैवीय गुणों की प्राप्ति होने लगती है। वे कौवे से हंस व बगुले से हंस की वृति धारण कर लेते हैं।यहाँ मन में प्रश्न उत्पन्न हो सकता है कि दुष्ट अगर संत का संग करने से बदल जाता है, उसपे संगति का प्रभाव होता है, तो संत पर दुष्ट की संगति का प्रभाव क्यों नहीं होता? इसका समाधान गोस्वामी जी बड़ी सुंदर उदाहरण से देते हैं। वे कहते हैं, कि मणि एक बहुत ही सुंदर व बहुमूल्य रतन है। उसका स्थान सर्प के सीस को माना गया है। सब जानते हैं, कि सर्प तो विशैला होता है, तो क्या उसके सीस पर सुशोभित मणि भी विषैली होती है? नहीं! सर्प का संग उस मणि को विशैला नहीं बना देता। ठीक इसी प्रकार से अगर संत जन किसी दुष्ट का संग कर लें, तो ऐसा नहीं कि उन पर उस दुष्ट का रंग चढ़ जायेगा।अधिक क्या कहें, गोस्वामी जी तो यहाँ तक कहते हैं, कि बिना सतसंग के जीव बुद्धिमान तो हो सकता है, लेकिन उसमें विवेक का समावेश नहीं हो सकता। प्रभु विवेक को ही प्राथमिकता देते हैं। कारण कि बुद्धि स्वार्थ सोचती है, और विवेक परमार्थ। विवेक ईश्वरीय विद्या है, और बुद्धि संसारिक विद्या से निर्मित है। विवेक किताबों से प्राप्त नहीं किया जा सकता, और बुद्धि को अनुभव या किताबों से प्राप्त किया जा सकता है। प्रश्न उठता है, कि सतसंग में आखित ऐसा क्या होता है? सतसंग कुछ साधारण से प्रवचन ही तो होते हैं। यह प्रवचन हम किताबों में भी तो पढ़ सकते हैं। सज्जनों सतसंग का अर्थ केवल प्रवचन ही होता, तो ठीक है, कि हम वे किताबों में भी पढ़ लेते। लेकिन ऐसे एक से एक प्रवचन, क्या रावण ने ग्रंथों में से नहीं पढ़े होंगे? ऐसे में उसमें विवेक जाग्रित क्यों नहीं हुआ? कारण कि केवल अध्यन से विवेक नहीं आता। वह तो केवल सतसंग से ही आयेगा और सतसंग की परिभाषा कभी भी प्रवचन नहीं होती। भले ही संपूर्ण संसार में यही कहा जाता है, कि प्रवचन सुनना ही सतसंग है, लेकिन गोस्वामी जी श्रीरामचरित मानस में सतसंग की जो परिभाषा दे रहे हैं, उसे सुन आप दंग रह जायेंगे।

इसका समाधान गोस्वामी जी बड़ी सुंदर उदाहरण से देते हैं। वे कहते हैं, कि मणि एक बहुत ही सुंदर व बहुमूल्य रतन है। उसका स्थान सर्प के सीस को माना गया है। सब जानते हैं, कि सर्प तो विशैला होता है, तो क्या उसके सीस पर सुशोभित मणि भी विषैली होती है? नहीं! सर्प का संग उस मणि को विशैला नहीं बना देता। ठीक इसी प्रकार से अगर संत जन किसी दुष्ट का संग कर लें, तो ऐसा नहीं कि उन पर उस दुष्ट का रंग चढ़ जायेगा।

भारतीय न्याय संहिता

भारतीय जरूरतों के अनुसार प्रायोरिटी

- ब्रिटिश शासन को मानव-वध या महिलाओं पर अत्याचार से महत्त्वपूर्ण राजद्रोह और खजाने की रक्षा थी
- इन तीन कानूनों में महिलाओं और बच्चों के प्रति अपराधों, हत्या और राष्ट्र के विरुद्ध अपराधों को प्रमुखता दी गई है।
- इन कानूनों की प्रायोरिटी भारतीयों को न्याय देना है, उनके मानवाधिकारों की रक्षा करना है।

महिलाओं और बच्चों के प्रति अपराध

- भारतीय न्याय संहिता ने यौन अपराधों से निपटने के लिए 'महिलाओं और बच्चों के प्रति अपराध' नामक एक नया अध्याय पेश किया है।
- इस विधेयक में 18 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं के बलात्कार से संबंधित प्रोविजन में बदलाव का प्रस्ताव कर रहा है।
- नाबालिग महिलाओं के सामूहिक बलात्कार को पॉक्सो के साथ सुसंगत बनाता है।
- 18 वर्ष से कम आयु की बच्चियों के मामले में आजीवन कारावास या मृत्यु दण्ड का प्रावधान किया गया है।
- गैंगरेप के सभी मामलों में 20 साल की सजा या आजीवन कारावास का प्रावधान
- 18 वर्ष से कम उम्र की स्त्री के साथ सामूहिक बलात्कार का एक नयी अपराध केटेगरी।
- धोखे से यौन संबंध बनाने या विवाह करने के सच्चे इरादे के बिना विवाह
- करने का वादा करने वाले व्यक्तियों के लिए लक्षित दंड का प्रावधान करता है।

आतंकवाद

- भारतीय न्याय संहिता में पहली बार टेररिज्म की व्याख्या की गई है
- इसे दंडनीय अपराध बना दिया गया है।
- व्याख्या : भारतीय न्याय संहिता खंड 113. (1)

"जो कोई, भारत की एकता, अखंडता, संप्रभूता, सुरक्षा या आर्थिक सुरक्षा या प्रभुता को संकट में डालने या संकट में डालने की संभावना के आशय से या भारत में या किसी विदेश में जनता अथवा जनता के किसी वर्ग में आतंक फैलाने या आतंक फैलाने की संभावना के आशय से बमों, डाइनामाइट, विस्फोटक पदार्थों, अपायकर गैसों, न्यूक्लीयर का उपयोग करके ऐसा कार्य करता है, जिससे, किसी व्यक्ति या व्यक्तियों की मृत्यु होती है, संपत्ति की हानि करेंसी के निर्माण या उसकी तस्करी तो वह आतंकवादी कार्य करता है।

- आतंकी कृत्य मृत्यु दंड या आजीवन कारावास के साथ दंडनीय है जिसमें पैरोल नहीं होगा;
- आतंकी अपराधों की एक श्रृंखला भी पेश की गई है।
- सार्वजनिक सुविधाओं या निजी संपत्ति को नष्ट करना अपराध है,
- ऐसे कृत्यों को भी इस खंड के तहत शामिल किया गया है जिनसे 'महत्वपूर्ण अवसंरचना की क्षति या विनाश के कारण व्यापक हानि' होती है।

सपा विधायक ने शहर की बिगड़ी अव्यवस्थाओं पर 24 घंटे का शुरू हुआ सत्याग्रह

बीपीएस न्यूज

कानपुर । सपा पार्टी के आर्य नगर विधानसभा क्षेत्र से विधायक अमिताभ बाजपेई द्वारा नगर की कई समस्याओं तथा अव्यवस्थाओं को लेकर फूलबाग गांधी प्रतिमा पर 24 घंटे के लिए सत्याग्रह की शुरूआत की गयी। सत्याग्रह के धरने में बताया गया कि इसका उददेश्य कानपुर की मुख्य समस्याओं को उठाना है साथ ही सत्याग्रह की समाप्ति पर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन दिया जायेगा। सपा विधायक अमिताभ बाजपेई ने कहा कि 5 वर्ष से धनकुटटी का अस्पताल नहीं बन पा रहा है। नए भवन के लिए बजट विधायक निधि से देने को तैयार होने के बाद भी नगर निगम द्वारा उसकी एनओसी नही दी जा रही है। उसी प्रकार वार्ड 76 हरबंस मोहाल की बाल्मीकि धर्मशाला की भी एनओसी नही दी गयी है, जिससे विधायक निधि से कराये जाने वाला निर्माण बाधित पड़ा है। कहा धार्मिक आयोजन के लिए वृहद महोत्सव पंडाल, नगर निगम इंटर कालेज, हीरामन पुरवा में विज्ञान कक्षा शुरू करना, झकरकटीएवं फीलखाना पानी की टंकीकोगंगा बैराज से जोने जाने तथा टंकी को तोडकर पुनः नयी टंकी बनाये जाने का काम नही किया गया। कहा नानाराव पार्क से गणेश उधान तक पैदल पार पुल बनाया गया तो अनावश्यक है जो अध्किारियो ने अपने बंदर बांट के लिए बनाया वहीं नगर में बस स्टेंड जिनका कोई उपयोग नही है, गणे उधान में चिल्ड्रन पार्क बना देना, स्मार्ट सिटी जो माल रोड में बनाइ गयी, इसमें कोई र्स्मा फीचर न होने के बावजूद बडा बजट बनाकर धन का बंदर बांट करना, तरण ताल सीजन में चालू नही होने के साथ ठेला पटरी दुकानदारों के साथ अन्याय, स्वास्थ सेवाओं की बदहाली आदी की समस्या सत्याग्रह का मुख्य विषय है। वहीं कानून व्यवस्था के बिगडे हालात पर भी विधायक अमिताभ बाजपेई द्वारा कहा गया कि सडकों पर पुलिस को देखकर भी भय मुक्त वातावरण के बजाये पुलिस से ही भय होता है, इसलिए पुलिस की कार्य प्रणाली को नए सिरे से दुरूस्त करने की आवश्यकता महसूस होती है। सत्याग्रह में सुरेन्द्र मोहन अग्रवाल, मो0 हसन रूमी, सुरेश गुप्ता, नीरज सिंह, रामगोपाल पुरी, वरूण यादव, अम्बर त्रिवेदी, रामकुमार निषाद, मोईन खान, सुशील तिवारी, हरीओम पांडे, चंकी गुप्ता, विककी जायसवाल, सुरभित जायसवाल, दुर्गेश चक, अंकित सचान, शाकिर अली उस्मानी आदि उपस्थित रहे।

एन.एस.एस. इकाई द्वारा सड़क सुरक्षा अभियान का किया गया आयोजन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जुहारी देवी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, कानपुर के एन.एस.एस. इकाई द्वारा सड़क सुरक्षा अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. ममता वर्मा के संरक्षण में महाविद्यालय के राष्टीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रागिनी कुमारी के निर्देशन में जन जागरूकता अभियान के तहत जुहारी देवी कॉलेज से पनचक्की चौराहा तक एक रैली का अयोजन किया गया7 क्षेत्रवासियों व राहगिरो को दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने ,चार पहिया गाड़ी चलाते समय सीट बेल्ट लगाने एवं सड़क सुरक्षा से संबंधित सभी नियमों का पालन करने के लिए समझाया गया एवं सड़क सुरक्षा शपथ भी ग्रहण कराई गई। छात्राओं ने अपने नारे के माध्यम से बताया कि सड़क सुरक्षा को अपनाएं, हेलमेट जरूर लगाए , जीवन को खुशहाल बनाएं, सड़क सुरक्षा का रखो ध्यान, सेफ ड्राइव-सेफ लाइफ, ओवर स्पीडिंग न करें , वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात न करें ,गलत लेन में न चले, गलत साइड से ओवरटेक न करें , चलती बस में न चढ़े और ना ही उतरे इत्यादि नियमों के बारे में जानकारी दी । उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार के सभी कर्मचारी उपस्थित रहकर छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

तहसीलदार को जबरन इस्लाम कबूल कराया, मुस्लिम महिला से कराई शादी

बीपीएस न्यूज

हमीरपुर जिले में एक नायब तहसीलदार की पत्नी ने आरोप लगाया है कि उसके पति का 'जबरन' इस्लाम में धर्मांतरण कराकर एक मुस्लिम महिला से शादी करा दी गई है जिसके बाद यहां शहर कोतवाली क्षेत्र पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। कानपुर नगर के हनुमंत विहार की रहने वाली आरती गुप्ता ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उसके पति आशीष कुमार गुप्ता हमीरपुर की मौदहा तहसील में नायब तहसीलदार के पद पर तैनात हैं और आशीष करीब चार महीने से घर नहीं आये हैं। पुलिस के मुताबिक, आशीष कुमार गुप्ता का अब तक पता नहीं चल सका है। पुलिस के मुताबिक, आरती ने अपनी शिकायत में कहा कि उनके पति का जबरन इस्लाम में धर्मांतरण करा दिया गया है और रुखसार नाम की एक मुस्लिम महिला से शादी करा दी गई है।

पुलिस ने कहा कि नायब तहसीलदार समेत पांच लोगों और करीब छह अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि मौदाहा में एक स्थानीय मस्जिद के मौलवी सहित उनमें से दो को हिरासत में लिया गया है। आरती गुप्ता ने पुलिस से कहा कि उसके पति का रुखसार नामक एक महिला से सम्बन्ध है। महिला का आरोप है कि रुखसार के पिता, मौसा मुन्ना और मौदहा में एक स्थानीय मस्जिद के मौलवी बाबू आढ़ती तथा चार-पांच अन्य लोगों ने गत 24 दिसंबर को आशीष का जबरन धर्म परिवर्तन करवाया और आशीष ने रुखसार से अनैतिक रूप से निकाह किया। पुलिस के एक बयान के मुताबिक, इस सिलसिले में भारतीय दंड विधान और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, आशीष मौदहा कस्बे की एक मस्जिद में नमाज पढ़ने भी जा रहे थे। मस्जिद के मुअज्जिन मुहम्मद मुश्ताक ने बताया कि एक अज्ञात शख्स नमाज़ पढ़ने के लिये मस्जिद आ रहा था। उन्होंने बताया कि उसने अपना नाम मुहम्मद यूसुफ बताया था और उसने खुद को कानपुर का रहने वाला और मौदहा का नायब तहसीलदार बताया तो उन्होंने इसकी सूचना अधिकारियों को दी थी। तहसीलदार बलराम गुप्ता ने बताया आशीष गुप्ता के मस्जिद में नमाज़ पढ़ने के दावे को सत्यापित नहीं किया जा सका है। जांच के तहत मौदहा के स्थानीय लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं।

नव-वर्ष की पूर्व संध्या पर सांसद ने छात्राओं को दिया स्मार्ट क्लास का तोहफा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इण्ड़िया कैम्पेन के अन्तर्गत नववर्ष की पूर्व संध्या पर 31दिसंबर को कानपुर नगर सांसद सत्यदेव पचौरी ने अपनी सांसद निधि 26 लाख रुपये से एस. एन. सेन बालिका विद्यालय पी.जी. कॉलेज, माल रोड़ में बने 2 स्मार्ट क्लासरूम का लोकार्पण किया। सांसद पचौरी ने कहा कि ''पहले जब हम कक्षा शब्द सुनते थे, तो सबसे पहले हम शिक्षकों, ब्लैकबोर्ड, चॉक और डस्टर के बारे में सोचते थे, लेकिन आज, प्रौद्योगिकी ने कक्षा की हमारी कल्पना को पार कर लिया है। कोविड महामारी के दौरान, हमने शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षिक मानकों, प्रगति और नवाचारों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। स्कूलों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों ने वर्चुअल व्हाइटबोर्ड, प्रोजेक्टर और अन्य ऑडियो/विज़ुअल घटकों के माध्यम से आधुनिक शिक्षण विधियों को अपनाया है। स्मार्ट क्लास के ये सभी तत्व छात्रों के लिए सीखने को मनोरंजक और दिलचस्प बनाते हैं और शिक्षकों को प्रभावी ढंग से पढ़ाने में सक्षम बनाते हैं। इन्ही सब बातों को ध्यान में रखते हुए मैनें यह 2 स्मार्ट क्लासरूम बनवाए हैं और आगे भी यह प्रक्रिया जारी रहेगी। सांसद पचौरी ने लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित एन.सी.सी. छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि डिजिटल स्मार्ट क्लास बेहतर शिक्षण और सीखने का अनुभव प्रदान करती है। फ़ोटो, ग्राफ़, मानचित्र, फ़्लोचार्ट और एनिमेटेड वीडियो का उपयोग करके जानकारी को चित्रित करने एवं नेक्स्ट टूल का उपयोग करके दृश्यों के माध्यम से सीखने से छात्रों को किसी भी विषय को लंबे समय तक याद रखने में मदद मिलती है। सांसद पचौरी ने कहा कि आज जब हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी डिजिटल इण्ड़िया की बात करते है, तो हमारी बेटियों, बहनों को साथ लेकर चले बिना इसकी परिकल्पना सम्भव नही है।

बौद्ध कथा स्थल पर घटी घटना पर निन्दा करते हुए उपवास व धरना

बीपीएस न्यूज

कानपुर, उत्तर प्रदेश सर्वोदय मण्डल, युवा भारत कानपुर नागरिक मंच आदि विभिन्न सामाजिक आन्दोलनों और संवैधानिक मूल्य व अधिकार के सचेत नागरिक व नागरिक संगठनों ने गांधी प्रतिमा गणेश उद्यान फूलबाग में ग्राम पहेवा थाना साद घाटमपुर में दिनांक 18/19 दिसम्बर 2023 बौद्ध कथा स्थल पर घटी घटना पर निन्दा करते हुये चिन्ता प्रकट की गयी तथा प्रतिमा स्थल पर उपवास व धरना किया गया क्योंकि नगर सर्वोदय मण्डल द्वारा मण्डलायुक्त कानपुर को ज्ञापन महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजति करक मण्डलायुक्त के कार्यालय में मिलकर गांधीवादी लोग ज्ञापन देना चाहते थे। जिसपर जिला प्रशासन ने इसकी अनुमति नहीं दी और प्रतिमा स्थल पर पुलिस को भारी संख्या में लगा दिया गया, जिससे कि विभिन्न संगठनों के लोग परिसर से बाहर न निकल सके ।जिसपर आयोजकों और पुलिस से आम सहमति बनी और उक्त ज्ञापन को एसीपी मो0 मोईन खां को मण्डलायुका को संबोधित एक ज्ञापन दिया गया। धरना स्थल पर तीन बिन्दुओं पर ज्यादा जोर सराहा। घटना में जो असलहे स्तेमाल किये गये हैं उनको जब्त किया जाये तथा उनके लाइसेंस जब्त करते हुये दोषियों पर आई.पी.सी. की धारा 307 4 308 लगायी जाये। जो लड़का अस्पताल में भर्ती है उसका पूरा इलाज प्रशासन को करना चाहिए क्योंकि वहाँ के डॉ0 बाहर की दवायें लिख रहे हैं जिससे उनपर आर्थिक बोडा पड़ रहा है। गांधी परंपरा को मानने वालों को इस तरह की नफरत के खिलाफ आज उठ खड़े होने की जरूरत है। प्रमुख रूप से विजय चावला, दिनकर कपूर, डॉ सत्यव्रत, देव कुमार कबीर, गोविन्द नारायण आनन्द गौतम ए0, अतहर नईम, श्यामदेव सिंह, विष्णु शुक्ला, चमन खन्ना, रामू सिद्धार्थ, डॉ0 रामप्रकाश, संतोष त्रिपाठी, रमाशंकर अशोक, जीतू, आलोक, रामप्रकाश गौतम आदि ने अपने विचार रखे।

डंफर व रोडवेज बस की टक्कर में चालक सहित नौ लोग घायल

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर, शुक्रवार की सुबह थाना बिधून क्षेत्र में एक मार्ग दुघर्टना में एक बस तथा डंफर की टक्कर हो गयी। टक्कर के बाद जहां बस में बैठे यात्रियों की चीख-पुकार मच गयी तो वही हादसे में बस चालक सहित नौ लोग घायल हो गये।

मौके पर पहुंची पुलिस से ग्रामीणों की सहायता से यात्रियों को सुरक्षित बस से निकाला और सीएचसी में ईलाज के लिए भर्ती कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना बिधनू के कठेरूआ गांव के पास शुक्रवार की सुबह रोडवेज बस और डंफर की टक्कर हो गयी। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो डंफर आगे चल रहा था और रोडवेज बस पीछे से डफंर से टकरा गयी। हादसे में चालक सहित नौ अन्य लोग भी घायल हो गये है। घायल चालक फतेहपुर अजीतमल निवासी अलख कुमार ने बताया कि वह सुबह महोबा डीपो से 29 सवायियों को बैठाकर झकरकटी जा रहा था कि कठैरूआ गांव के पास उन्होने बस को ओवरटेक करने का प्रयास किया तो वहीं डफंर भी थोडा धीमा हो गया, जिससे बस पीछे से डंफर से जा टकराई। घायलों को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया। घायलों में मो0 सफीक, रफीक, रामस्वार्थ, सतीश निषाद, आलोक, आंकार सिंह, पुष्पा, सनोज शामिल है।

सोना लेकर भागने वाले आरोपी प्रीतम मंडल को पुलिस ने कोलकाता से किया गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस प्रीतम व उसके साथी को ट्राजिट रिमांड पर कानपुर लाने की कर रही तैयारी

कानपुर नगर, सर्राफा व्यापारी के यहां कारीगरी का काम करने वाला एक व्यक्ति जो व्यापारी सहित अन्य कारीगरों का लगभग 452 ग्राम सोना लेकर फरार हो गया था और पुलिस उसकी तेजी के साथ तलाश कर रही थी, उसे 14 दिन बाद पश्चिम बंगाल से कानपुर कोतवाली पुलिस द्वारा गिरफतार कर लिया गया। मुख्य आरोपी के साथ उसके दो अन्य साथी भी गिरफ्तार किया गया है। वहीं पुलिस ट्रांजिट रिमांड पर आरोपी तथा उसके दोनो साथियों को कानपुर लाने की तैयारी कर रही है।

15 दिसम्बर को कोतवाली थानाक्षेत्र से धोबी मोहाल के तिकल पार्क निवासी सफर्रा व्यापारी के यहां कारीगिरी करने वाला प्रीतम उनका तथा अन्य कारीगों का 452 ग्राम सोना लेकर फरार हो गया था। इस सम्बन्ध में सोना व्यापारी तपस ने बताया था कि कारीगर प्रीतम के साथ आत अन्य कारीगर उनके यहां काम करते थे। आरोपी प्रीतम उनके यहां ही रहता था। 15 दिसम्बर की सुबह उन्होने पाया कि प्रीतम घर से गायब था साथ ही जानकारी करने पर पता चला कि प्रीतम उनका तथा कारीगरों की मेजों की दरार में रखा सोना लेकर गायब हो चुका था। वहीं उसका मोबाइल भी बंद हो चुक था। इस घटना की जानकारी पुलिस को दी गयी थी। उसकी तलाश में पुलिस टीम कोलकाता गयी थी। जहां पुलिस को सफलता मिली और कारीगर प्रीतम अपने दो साथियों को साथ गिरफ्तार कर लिया गया। इसके सम्बन्ध में एसीपी कोतवाली अर्चना सिंह ने बताया कि प्रीतम और उसके दो साथियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कोलकाता गई टीम वहां पर तीनों अपराधियों को कोर्ट में पेश करेगी और जल्द ही ट्रांजिट रिमांड पर तीनो चोरों को कानपुर लाया जायेगा।

महिलाओं ने पूरे जोश से निकाली अक्षत शोभा कलश यात्रा

कानपुर। श्री राम जन्मभूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह समिति के तत्वाधान में शिव मंदिर भदौरिया चौराहा जवाहर नगर से अक्षत कलश शोभा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा लेलिन पार्क ,गांधीनगर, पी रोड ,तकिया पार्क ,जवाहर नगर ,रामबाग ,रामकृष्ण नगर में घूमी। शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं अक्षत कलश लेकर चल रही थी । शोभा यात्रा में प्रमुख रूप से अमरनाथ अवस्थी दिनेश गुप्ता डॉक्टर दिवाकर मिश्रा सतीश गुप्ता धर्मेंद्र पाठक शैलेंद्र कुमार रामकुमार सिंह सरवन जाटव आनंद शुक्ला आदित्य आदि थे। इसी तरह चौबेपुर हनुमान मंदिर से गाजे बाजे के साथ निकाली गई ।

जनप्रतिनिधियों ने अपने अपने आवंटित बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को ध्यान पूर्वक सुना

बीपीएस न्यूज

कानपुर । भाजपा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के 17 जिलों मे 20788 बूथों पर इस मन की बात कार्यक्रम को कार्यकर्ताओ ने सुना । क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने आर्यनगर विधानसभा के बूथ न.61 केनाल रोड लक्ष्मण पार्क मे प्रथम बार नव मतदाता बने युवाओं के साथ सुना । देश के प्रधान मंत्री ने आगे कहा की आज भारत का कोना-कोना आत्मविश्वास से भरा हुआ है, विकसित भारत और आत्मनिर्भरता की भावना से ओत-प्रोत है इस वर्ष हमारे देश ने कई विशेष उपलब्धियां हासिल की हैं, जिनमें नारी शक्ति वंदन अधिनियम का पारित होना, भारत का 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना और जी20 समिट में सफलता शामिल है दीपावली पर रिकॉर्ड कारोबार ने साबित कर दिया कि हर भारतीय %वोकल फॉर लोकल% के मंत्र को महत्व दे रहा है भारत का इनोवेशन हब बनना इस बात का प्रतीक है कि हम रुकने वाले नहीं हैं ।कानपुर नगर के विभिन्न बूथों पर जिला अध्यक्ष दीपू पाण्डेय,शिवराम सिंह,सत्यदेव पचौरी,महापौर प्रमिला पाण्डेय,सुरेंद्र मैथानी,नीलिमा कटियार,सलिल विश्नोई,महेश त्रिवेदी,रघुनंनदन भदौरिया,अनिता गुप्ता,पूनम द्विवेदी,सुनील तिवारी,पवन प्रताप सिंह,सुनील साहू,आनंद राजपाल शिवांग मिश्रा,अंकित गुप्ता,सहित सभी जनप्रतिनिधियों ने अपने अपने आवंटित बूथों पर मन की बात को सुना । क्षेत्र के सह मीडिया प्रभारी एवं मन की बात के क्षेत्रीय प्रभारी अनूप अवस्थी ने बताया की कानपुर बुंदेलखंड के सभी 17 जिलों मे भारी संख्या मे इस बार मन की बात कार्यक्रम मे आम जनमानस एवं कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की और 2 लाख के लगभग कार्यकर्ताओं ने अपने मोबाइल पर नमो एप अपलोड किया वहीं 52 विधानसभाओं मे युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा ने इस बार फर्स्ट टाइम वोटर के साथ बैठ कर मन की बात कार्यक्रम को सुना आर्यनगर विधानसभा मे आयोजित कार्यक्रम के बाद नव मतदाताओं को सम्बोधित करते हुए प्रकाश पाल ने कहा की देश का युवा वर्ग विकसित भारत के मंत्र के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है ।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502 , व्हाट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।